

आज बेबाक

इसे ही कहते हैं काम के न काज के दुश्मन अनाज के। माननीय कहलाते हैं। लाखों के वेतन भत्ते और राजधानी में आलीशान बंगले सहित तमाम तरह की सुविधाएं मुफ्त में पाते हैं। इसके बावजूद जनहित से जुड़े मुद्दे संसद में नहीं उठाते सिर्फ हंगामा खड़ा कर अपनी राजनीति चमकाते हैं। संसद के शीतकालीन सत्र के शुरूआती चार दिन भी हंगामों की भेंट चढ़ गए। संसद की कार्यवाही पर करोड़ों रूप. स्वाहा हो गए लेकिन काम कौड़ी का भी नहीं हुआ। अब समय आ गया है कि सांसदों के लिए भी जितना काम उतना दाम का नियम लागू हो।

सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ नारायणपुर/नवप्रदेश । छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में सुरक्षाबलों के जवानों और माओवादियों के बीच मुठभेड़ चल रही है। मुठभेड़ अबुझमाड़ के जंगलों में हो रही है। जिला नारायणपुर व कोंडागांव से डीआरजी और बीएसएफ की संयुक्त टीम अबुझमाड़ क्षेत्र के लिए रवाना हुई थी। आज दोपहर से संयुक्त सुरक्षाबलों की टीम और नक्सलियों के बीच रुक-रुककर फायरिंग हो रही बस्तर आईजी सुंदरराज पो ने मुठभेड़ की जानकारी दी है।

आयु सीमा बढ़ाने का कोई प्रस्ताव नहीं नयी दिल्ली (वार्ता) । सरकार ने गुरुवार को राज्यसभा में कहा कि विभिन्न स्तर पर न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति की आयु सीमा बढ़ाने का कोई प्रस्ताव नहीं है। विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन मेघवाल ने सदन में प्रश्नकाल एक पूरक प्रश्न के उत्तर में कहा कि न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति की आयु सीमा बढ़ाने का कोई प्रस्ताव सरकार के पास लंबित नहीं है। उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति की आयु सीमा 65 वर्ष, उच्च न्यायालयों में 62 वर्ष और निचले न्यायालयों में 60 वर्ष है। उन्होंने कहा कि सरकार का इसमें बदलाव करने का कोई विचार नहीं है। मेघवाल ने कहा कि सभी न्यायाधिकरणों, विभिन्न आयोगों और जांच समितियों में न्यायाधीशों की नियुक्ति संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार की जाती है।

जवाब नहीं दे पा रही सरकार: सुरजेवाला नयी दिल्ली (वार्ता)। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि भारतीय भूमि पर चीन का कब्जा है, लेकिन सरकार इस बारे में सवाल का जवाब देने में सफल नहीं हो पा रही है। कांग्रेस नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा है कि चीनी मुद्दे पर सरकार से जब सवाल पूछा जाता है तो विदेश मंत्री एच जयरंकर रटा-रटाया जवाब देते हैं और जो असली मुद्दे हैं, जो असली सवाल होते हैं उनको नजरअंदाज कर देते हैं। उन्होंने कहा, आज राज्यसभा में विदेश मंत्री द्वारा चीन पर रटा रटाया बयान तो पढ़ कर सुना दिया गया पर भारत माता की सरजमीं पर चीनी कब्जे को लेकर सवालों तथा आशंकाओं के जवाब से मोदी सरकार भाग खड़ी हुई। मोदी सरकार से देश के सीधे सवाल।

स्टीफन मरांडी झारखंड के प्रोटेम स्पीकर रांची,नवप्रदेश। झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने आज स्टीफन मरांडी को विधानसभा के प्रोटेम स्पीकर पद की शपथ दिलाई। राज्यपाल गंगवार ने राज भवन के अशोक उद्यान में आयोजित आज एक सादे समारोह में मरांडी को झारखंड विधानसभा के प्रोटेम स्पीकर के पद की शपथ दिलाई। इसके अलावा उन्हें विधानसभा की सदस्यता की भी शपथ दिलाई गई।मरांडी झारखंड विधानसभा के वरिष्ठतम सदस्य हैं और 1980 में पहली बार विधायक चुने गए थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, पूर्व केंद्रीय मंत्री जयप्रकाश यादव समेत बड़ी संख्या में विधायक और राज्य सरकार के वरिष्ठ पुलिस और प्रशासन सेवा के अधिकारी मौजूद थे।

चुनौतियों से निपटने में मदद करें भुवनेश्वर(ए.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को कृषि क्षेत्र के वैज्ञानिकों से ऐसी तकनीक विकसित करने और प्रसारित करने का आह्वान किया, जो कि प्राकृतिक आपदाओं, जलवायु परिवर्तन के भयानक प्रभावों और संसाधनों के अत्यधिक दोहन की समस्याओं से निपटने में मदद करें। राष्ट्रपति ने यह टिप्पणी ओडिशा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के 40वें दीक्षांत समारोह में संबोधन के दौरान की। उन्होंने कृषि वैज्ञानिकों से अपील की कि वह आगे आकर मृदा, पानी और पर्यावरण को जलवायु परिवर्तन से बचाने के लिए नए विचार लाएं।



सम्मानित विभूतियाँ उत्कृष्ट कार्यों की ध्वज वाहक : राज्यपाल पटेल

प्रतिभाओं का सम्मान, समाज को विजन देने की पहल : राज्यपाल

राज्यपाल ने मध्यप्रदेश रत्न अवॉर्ड समारोह में शामिल हुए

भोपाल/नवप्रदेश। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि सम्मानित प्रतिभाएं उत्कृष्ट कार्यों की ध्वज वाहक होती हैं। उनके उत्कृष्ट कार्य समाज को चुनौतियों का सामना करने का विश्वास और विजन प्रदान

करते हैं। भावी पीढ़ियाँ उनके पथ का अनुसरण कर समाज को गतिशील और जीवंत बनाती हैं। उन्होंने कहा कि समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित करना वास्तव में समाज को गौरवान्वित करने, स्वस्थ समाज और सशक्त राष्ट्र निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कार्य है। भावी प्रतिभाओं के पथ प्रदर्शन की नैतिक और सामाजिक दोनों दृष्टियों से समाज की जिम्मेदारी है। राज्यपाल श्री



पटेल, प्रेस क्लब भोपाल द्वारा आयोजित मध्यप्रदेश रत्न अवॉर्ड

समारोह को रवीन्द्र भवन में संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में शंकराचार्य स्वामी वासुदेवानंद जी भी उपस्थित थे। कार्यक्रम के प्रारम्भ में अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। अतिथियों का तुलसी का पौधा भेंट कर स्वागत किया गया। राज्यपाल श्री पटेल का प्रेस क्लब मध्यप्रदेश के अध्यक्ष श्री नवीन आनंद जोशी ने श्रीफल, स्मृति चिन्ह

लोकसभा की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित



नयी दिल्ली (वार्ता)। लोकसभा में सभल मामले को लेकर कांग्रेस के सदस्यों के भारी हंगामे के कारण गुरुवार को सदन में रेलवे संशोधन विधेयक 2024 पर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का जवाब नहीं हो पाया और दो बार के स्थगन के बाद सदन की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। दो बार के स्थगन के बाद अपराह्न तीन बजे सदन के समवेत होते ही कांग्रेस के सदस्य सदन के बीचोंबीच आ गये और हंगामा करने लगे। पीठासीन अधिकारी जगदीशका पाल ने कहा कि रेलवे संशोधन विधेयक पर 72 सदस्यों ने भाग लिया है और मंत्री जवाब देने के लिए आए हैं। आप उनका जवाब आ जाने दीजिए। इसके बाद अपनी बात कहने का मौका मिलेगा। लेकिन विपक्षी सदस्यों पर इसका कोई असर नहीं पड़ा। इस बीच श्री पाल के कहने पर वैष्णव ने जवाब देना शुरू किया और कहा कि विधेयक पर चर्चा के दौरान सांसदों ने आशंका जताई है कि संसद का नियंत्रण और भूमिका कमजोर हो जाएगी। वह इस पर सदन अशवासन देना चाहते हैं। तभी पाल ने विपक्षी सदस्यों से पुनः अपील की कि वे जवाब हो जाने दें। लेकिन शोरगुल जारी रहा। इस पर उन्होंने सदन की कार्यवाही शुक्रवार 11 बजे तक के लिए स्थगित करने की घोषणा कर दी। इससे पहले एक बार के स्थगन के बाद अपराह्न दो बजे लोकसभा की कार्यवाही जैसे ही शुरू हुई, विपक्षी दलों के सांसदों ने हंगामा शुरू कर दिया। पीठासीन अधिकारी ने 11 शेष पृष्ठ 6 पर

मी देवेंद्र सरिता गंगाधरराव फडणवीस ईश्वर साक्षा शपथ घेतो की, सीएम ने ऐसे ली शपथ फडणवीस ने ली मुख्यमंत्री पद की शपथ एकनाथ शिंदे और पवार बने उपमुख्यमंत्री

मुंबई (ए.)। महाराष्ट्र में गुरुवार को नई सरकार का शपथ ग्रहण हुआ। शपथ ग्रहण समारोह मुंबई के आजाद मैदान में हुआ। यहां भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने तीसरी बार राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। शपथ समारोह के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह साक्षी बने।

फडणवीस के साथ ही राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) प्रमुख अजित पवार और शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे दोनों ने बतौर उपमुख्यमंत्री शपथ ली। महाराष्ट्र की नई सरकार के शपथ ग्रहण में एनडीए का शक्ति प्रदर्शन भी दिखा। शपथ ग्रहण समारोह में देश भर से एनडीए के कई मुख्यमंत्री और नेता भी पहुंचे।

एनडीए के मुख्यमंत्री और नेता पहुंचे शपथ ग्रहण समारोह में भाजपा राज्यों के मुख्यमंत्री के साथ बिहार के मुख्यमंत्री और जनता दल यूनाइटेड के मुखिया नीतीश कुमार, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री और तेलंगु देशम पार्टी के प्रमुख चंद्रबाबू नायडू, लोक जनशक्ति



नरेंद्र मोदी का पसंदीदा है बेटा : मां

पुनाव ने जीत के बाद भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस की मां सरिता फडणवीस ने कहा था कि उनका बेटा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पसंदीदा है और भाजपा ने हर कोई चाहता है कि वह महाराष्ट्र का अगला मुख्यमंत्री बने। उनका बेटा चुनौतियों से घेर पाना जानता है। पार्टी में हर कोई चाहता है कि वह अगला मुख्यमंत्री बने। यह स्पष्ट है कि अन्य लोग भी चाहते हैं कि वह यह भूमिका निभाए। वह वास्तव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पसंदीदा है, जो उसे अपना बेटा मानते हैं। उनके बेटे की अयक मेहनत और लोगों के प्यार ने उन्हें यह जीत दिलाई। पिछले दो वर्षों में विपक्ष की तरफ से उनके बेटे को निशाना बनाए जाने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, यही कारण है कि उन्होंने खुद को आधुनिक समय का अमिनयु बतया। वह जानते हैं कि चुनौतियों का सामना कैसे करना है।

पार्टी (रामविलास) के मुखिया चिराग रामदास अठावले ने भी यहां कार्यक्रम में शिरकत की। वरिष्ठ भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने गुरुवार शाम को महाराष्ट्र के नए सीएम के तौर 11 शेष पृष्ठ 6 पर

'मोदी अडानी एक' नारा लिखी टीशर्ट पहन संसद पहुंचे राहुल

नयी दिल्ली (वार्ता)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी तथा पार्टी के अन्य कई सदस्य 'मोदी अडानी एक है' नारा लिखे कपड़े पहनकर गुरुवार को संसद पहुंचे और उद्योगपति गौतम अडानी पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए इस मामले की जांच की मांग की। गांधी तथा पार्टी के अन्य सांसदों ने संसद भवन परिसर में सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अडानी की मदद करने का आरोप लगाते हुए इस मामले की व्यापक जांच की मांग की। इस दौरान मानव श्रृंखला भी बनाई गई। गांधी ने



एक सवाल पर कहा कि मोदी कभी अडानी मामले की जांच नहीं कर सकते क्योंकि वह खुद इस मामले के दायरे में आ रहे हैं।

बिल्ले लगाकर कोई सदस्य सदन में न आये: बिरला

नयी दिल्ली (वार्ता)। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने गुरुवार को कहा कि कोई सदस्य बिल्ले लगाकर सदन में न आये। बिरला ने कहा कि नियम 349 के अनुसार किसी सदस्य को सदन में बिल्ले लगाकर नहीं आना चाहिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय ध्वज के अलावा कोई भी सदस्य अन्य बिल्ला या बैनर लगाकर सदन में नहीं आ सकता। अध्यक्ष ने कहा कि ऐसा करने वाला चाहे कोई सत्ता पक्ष का या विपक्ष का सदस्य हो, वह सभी को बिल्ले लगाने से मना करेगे। उन्होंने आह्वान किया कि कोई सदस्य राष्ट्रीय ध्वज के अलावा कोई अन्य बिल्ला लगाकर सदन में नहीं आये। गौरतलब है कि कांग्रेस सदस्य काले रंग की टीशर्ट पहन कर सदन में आये थे, जिसके पीछे लिखा था, मोदी अडानी एक है, अडानी सेक है।

बूंद-बूंद जल बचाने का अभियान प्रशंसनीय : सीएम यादव

राज्यों के सहयोग से होगा सफल क्रियान्वयन : केंद्रीय जलशक्ति मंत्री पाटिल

मुख्यमंत्री नई दिल्ली में 'कर्मभूमि से जन्मभूमि' सम्बन्धी त्रिपक्षीय बैठक में हुए शामिल

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि वर्षा जल को संग्रहित कर भूगर्भ में जल भंडारण क्षमता के विकास के लिए चलाई जा रही 'कर्मभूमि से जन्मभूमि' योजना एक अभिनव पहल है। इस योजना में गुजरात में रहकर व्यापार करने वाले अन्य प्रदेशों के व्यापारियों द्वारा स्वयं के संसाधनों से अपने राज्यों में बोर लगवाने का काम किया जा रहा है। मध्यप्रदेश के सतना जिले में इस योजनानर्गत कार्य आरम्भ हो गया है। प्रसन्नता की बात है कि योजना में पूरे



प्रदेश में 15 हजार बोर लगाने का लक्ष्य है। शासकीय संसाधनों के बिना गुजरात व्यापार करने वाले व्यापारियों की भागीदारी से चल रहा बूंद-बूंद जल बचाने का यह अभियान प्रशंसनीय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने

गुरुवार को श्रम शक्ति भवन नई दिल्ली में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी.आर. पाटिल और राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के साथ 'कर्मभूमि से जन्मभूमि' कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन पर

कौन हैं देवेंद्र फडणवीस?

54 साल के देवेंद्र फडणवीस महाराष्ट्र भाजपा के सबसे बड़े नेता हैं। वह एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली महायुति सरकार में उपमुख्यमंत्री रहे हैं। देवेंद्र फडणवीस महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री और प्रदेश इकाई के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। 22 जुलाई 1970 को नागपुर में एक मध्यमवर्गीय महाराष्ट्रीयन परिवार में देवेंद्र फडणवीस का जन्म हुआ था। उनके माता-पिता काफी प्रतिष्ठित थे, जो सार्वजनिक सेवा और सामाजिक सक्रियता में सक्रिय रूप से शामिल थे। देवेंद्र के पिता गंगाधरराव फडणवीस जनसंघ के सदस्य थे और वह नागपुर से महाराष्ट्र विधान परिषद के सदस्य भी रहे। आपातकाल के दौर में जब देश भर में विरोधी नेताओं को जेल में डाला गया तो उनमें से एक देवेंद्र के पिता गंगाधरराव भी थे। गंगाधरराव को एक विरोधी रैली के दौरान गिरफ्तार कर लिया गया और उन्हें लंबे समय तक जेल में रखा गया। उनके पिता को कैसर से मौत हो गई थी। तब देवेंद्र 16 साल के थे। उनकी माता सरिता फडणवीस 11 शेष पृष्ठ 6 पर

फ्रांस में प्रधानमंत्री बर्नियर अविश्वास प्रस्ताव में हारे

पेरिस (वार्ता) । फ्रांस में प्रधानमंत्री मिशेल बर्नियर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पारित होने के बाद उनकी सरकार गिर गयी है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों की ओर से नियुक्त किए जाने के तीन महीने बाद सांसदों ने उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का भारी समर्थन किया। अविश्वास प्रस्ताव पारित होने के लिए 288 वोटों की जरूरत थी। जबकि बुधवार को प्रस्ताव के समर्थन में इससे काफी अधिक 331 वोट पड़े। विपक्षी दलों ने बर्नियर द्वारा अपने विशेषाधिकारों का मनमाना प्रयोग करते हुए अपने बजट को बिना मतदान के पारित कराने को लेकर बाद सांसदों में उनके प्रति असंतोष व्याप्त हो गया था। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक 1962 के बाद से फ्रांस में ऐसा पहली बार हुआ है जब देश की सरकार अविश्वास प्रस्ताव में पराजित हो कर बेदखल हो गई है।

केंद्रीय राज्य मंत्री एल मुरुगन के खिलाफ मानहानि मामला बंद

सुप्रीम कोर्ट ने उनकी माफी पर दी राहत

नयी दिल्ली (वार्ता) । उच्चतम न्यायालय ने केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री एल मुरुगन के खिलाफ दायर मानहानि के 2020 के एक मामले में उनकी ओर से माफी मांगे जाने के बाद गुरुवार को मामला बंद करने का आदेश दिया।

न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति के बी विश्वनाथन की पीठ ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता मुरुगन की माफी को रिकॉर्ड में लेने के बाद उन्हें राहत देने वाला आदेश पारित किया। पीठ के समक्ष मुरुगन के अधिवक्ता ने कहा कि उनका किसी भी तरह से प्रतिवादियों (चेन्नई स्थित मुरासोली ट्रस्ट) की प्रतिष्ठा को ठेस या नुकसान पहुंचाने

का कोई इरादा नहीं था। मुरासोली ट्रस्ट की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लुधरा और एन आर एल्लंगो ने भी शीर्ष अदालत के समक्ष कहा कि वे इस मामले में आगे मुकदमा नहीं चलाएंगे। इस प्रकार अदालत ने भाजपा नेता की ओर से मानहानि की कार्यवाही को रद्द करने की अपील पर आगे की कार्यवाही रोकने का आदेश पारित किया। पीठ ने ट्रस्ट द्वारा केंद्रीय राज्यमंत्री पर दिखाई गई उदात्ता की सराहना भी रिकॉर्ड में दर्ज की। यह मामला चेन्नई में ट्रस्ट के कच्चे वाली जमीन पर की गई थी मुरुगन की टिप्पणियों पर दर्ज किया गया था। मुरुगन ने दिसंबर 2020 में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बर्नियर तौर पर एक अपमानजनक बयान दिया था, जिसके बाद मुरासोली ट्रस्ट ने उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी।

एशिया-प्रशांत क्षेत्र में आईएसएसए गुड प्रैक्टिस पुरस्कार से भारत सम्मानित

नयी दिल्ली (वार्ता)। भारत को एशिया और प्रशांत क्षेत्र के लिए वर्ष 2024 के अंतरराष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संघ (आईएसएसए) गुड प्रैक्टिस पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने गुरुवार को यहां बताया कि यह पुरस्कार सऊदी अरब के रियाद में क्षेत्रीय सामाजिक सुरक्षा फोरम में आईएसएसए के अध्यक्ष डॉ. मोहम्मद अजमान ने प्रदान किया। भारत को कर्मचारी भविष्य निधि संगठन को संचार चैनल, ई-प्रक्रिया, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के उपयोग, व्यापक जिला आउटरच कार्यक्रम (निधि आपक निकट), बहुभाषी कॉल सेंटर और प्रयास के लिए पांच योग्यता प्रमाण पत्र प्राप्त हुए। ईपीएफओ की ओर से कर्मचारी राज्य बीमा निगम - ईएसआईसी के महानिदेशक अशोक कुमार सिंह ने ये पुरस्कार प्राप्त किए।

निर्माण में गड़बड़ी करने वाले ठेकेदारों को बख्शा नहीं जाएगा : गडकरी

नयी दिल्ली (वार्ता)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने लोकसभा में गुरुवार को कहा कि राजमार्गों के निर्माण में कमी को लेकर सरकार गंभीर है और इसमें गड़बड़ी करने वाले ठेकेदारों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। गडकरी ने प्रश्नकाल के दौरान एक पूरक प्रश्न के जवाब में कहा कि दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे देश का सबसे लंबा राजमार्ग है। इस एक्सप्रेस वे से लोग दिल्ली से 12 घंटे में मुंबई पहुंच सकेंगे। उन्होंने कहा कि कुछ जगहों पर सड़कें धंस गई हैं, लेकिन नीचे की सतह सही है और इसमें सही सामग्री का इस्तेमाल किया गया है। इस मार्ग की मरम्मत की। दस साल की जिम्मेदारी ठेकेदार के पास है। उन्होंने कहा कि सड़कों की कमी



आने पर चार ठेकेदारों को जिम्मेदार ठहराकर उनको नोटिस दिया गया है और कार्रवाई की जाएगी। किसी को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता को लेकर कोई समझौता नहीं किया गया जाएगा। गडकरी राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के हनुमान बेनीवाल की ओर से पूछे गये प्रश्न का जवाब दे रहे थे। बेनीवाल ने कहा कि दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे की तकनीकी खराबी के कारण दुर्घटनाएं हुई हैं, जिसमें करीब 150 लोगों की जान गई है।

इसरो ने फिर रचा कीर्तिमान, अंतरराष्ट्रीय सहयोग और भारत की अंतरिक्ष उपलब्धियों के तालमेल का जश्न मनाने वाला पल

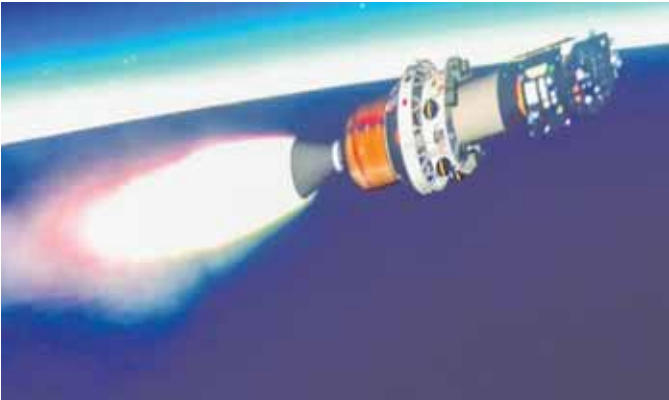
यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के प्रोबा-3 मिशन को सफलतापूर्वक किया प्रक्षेपित

श्रीहरिकोटा (ए.)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा से पीएसएलवी-सी59 रॉकेट लॉन्च किया। यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के प्रोबा-3 मिशन को लेकर इसने शाम 4.04 बजे उड़ान भरी। इसरो इस मिशन को बुधवार की शाम 4 बजकर 8 मिनट पर लॉन्च करने वाला था, लेकिन प्रोपल्शन सिस्टम में आई खराबी के कारण इसकी लॉन्चिंग को एक दिन के लिए टाल दिया गया था।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए स्पेस एजेंसी ने कहा, पीएसएलवी- सी59 सफलतापूर्वक

1,778 करोड़ का आया है खर्च

प्रोबा-3, यूरोपीय स्पेस एजेंसी (ईएसओ) के प्रोबा सीरीज का तीसरा सोलर मिशन है। खास बात ये है कि



प्रोबा सीरीज के पहले मिशन को भी इसरो ने ही 2001 में लॉन्च किया था।

सूर्य के कोरोना का अध्ययन करेगा प्रोबा-3

प्रोबा-3 मिशन के जरिए वैज्ञानिक सूर्य के अंदरूनी और बाहरी कोरोना के बीच बने काले घेरे का अध्ययन करेंगे। सूर्य के कोरोना का तापमान 20 लाख डिग्री फेरनहाइट तक जाता है। किसी उपकरण की मदद से इसका अध्ययन करना मुमकिन नहीं होता है। प्रोबा-3 के दो सैटेलाइट कोरोनाग्राफ (310 किग्रा) और ऑकल्टर (240 किग्रा) मिलकर सूर्यग्रहण की नकल बनाएंगे। इससे सूर्य से निकलने वाली तीव्र रोशनी को रोका जा सकेगा और ऐसा करने से सूर्य के कोरोना का अध्ययन करना भी आसान हो जाएगा। वैज्ञानिक पता लगाएंगे कि आखिर सूर्य के कोरोना का तापमान उसकी सतह से इतना अधिक क्यों होता है।

प्रोबा-3 मिशन के लिए स्पेन, इस पर करीब 20 करोड़ यूरो (करीब बेल्लिजियम, पोलैंड, इटली और 1,778 करोड़ रुपये) का खर्च आया स्विट्जरलैंड की टीमों ने काम किया है। है।

क्या है प्रोबा-3 मिशन?

प्रोबा-3 (प्रोजेक्ट फॉर ऑनबोर्ड अटोनाॅमी) यान में एक डबल-सैटेलाइट शामिल है, जिसमें दो अंतरिक्ष यान सूर्य के बाहरी वायुमंडल के अध्ययन के लिए एक यान की तरह उड़ान भरेंगे। इसरो ने कहा कि प्रोबास एक लातिन शब्द है, जिसका अर्थ है चलो प्रयास करें। इसरो ने कहा कि मिशन का उद्देश्य सटीक संरचना उड़ान का प्रदर्शन करना है और दो अंतरिक्ष यान - कोरोनाग्राफ और ऑकल्टर को एकसाथ प्रक्षेपित किया जाएगा।

न्यूज गैलरी

तमिलनाडु विधानसभा स्पीकर को सुप्रीम कोर्ट से राहत

नई दिल्ली (ए.)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को ऑल इंडिया अन्नाद्रमुक (एआईएडीएमके) वकील संगठन के संयुक्त सचिव की उस याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया, जिसमें उन्होंने तमिलनाडु विधानसभा स्पीकर के खिलाफ मानहानि के मामले को खोलने की मांग रखी थी। दरअसल, इससे पहले हाईकोर्ट ने एम. बाबू मुरुगवेल की तरफ से स्पीकर एम अप्पावु के खिलाफ दायर मानहानि के मामले को खारिज कर दिया था। इसी के खिलाफ मुरुगवेल सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे। जस्टिस ऋषिकेश राय और जस्टिस एसवीएन भट्टी की बेंच ने मद्रास हाईकोर्ट के 25 अक्तूबर, 2023 के उस आदेश में दखल देने से इनकार कर दिया, जिसमें अप्पावु के खिलाफ मानहानि के मामले को रद्द कर दिया गया था। बेंच ने कहा, हमारे पास दल-बदल रोधी कानून है, जो कि दिखाता है कि लोकतंत्र और विधायिका राजनीतिक प्रणाली में ऐसी घटनाओं को मानती हैं। मुरुगवेल ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया था कि नवंबर 2023 में एक किताब के अनावरण के दौरान अप्पावु ने एआईएडीएमके के नेताओं के खिलाफ अपमानजनक बयान दिया था।

कुर्रुक क्षेत्र में मारे गये 280 से अधिक यूक्रेनी सैनिक

कीव (वार्ता)। रूस के कुर्रुक क्षेत्र में पिछले 24 घंटे में यूक्रेनी सशस्त्र बलों के 280 से अधिक सैनिक मारे गये हैं। रूसीक्षा मंत्रालय ने बुधवार को एक बयान में कहा पिछले 24 घंटों में यूक्रेनी सशस्त्र बलों ने 280 से अधिक सैनिकों को खो दिया है। एक ट्रैक, दो लड़ाकू बख्तरबंद वाहन, तीन कारें, एक इलेक्ट्रॉनिक युद्ध स्टेशन और दो मोर्टार नष्ट हो गए।

राष्ट्रपति पुतिन ने की पीएम मोदी और मेक इन इंडिया की सराहना

दु भारत में निवेश करना लाभदायक : पुतिन

नई दिल्ली (ए।) । रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत सरकार की लघु एवं मध्यम आकार के उद्यमों (एसएमई) के लिए स्थिर परिस्थितियां बनाने के लिए सराहना की और भारत में रूसी मैनुफैक्चरिंग साइट स्थापित करने की पेशकश की। बुधवार को मॉस्को में 15वें वीटीबी निवेश फोरम में बोलते हुए राष्ट्रपति पुतिन ने बाजार से बाहर हो चुके पश्चिमी बांडों की जगह नए रूसी बांडों के उदय का भी उल्लेख किया, उन्होंने उपभोक्ता वस्तुओं, आईटी, उच्च तकनीक और कृषि जैसे क्षेत्रों में स्थानीय रूसी निर्माताओं की सफलता का उल्लेख किया।

मेक इन इंडिया

इस दौरान उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि रूस का आयात प्रतिस्थापन कार्यक्रम भारत की मेक इन इंडिया पहल के समान है और कहा कि भारत का नेतृत्व अपने हितों को प्राथमिकता देने की नीति पर केन्द्रित है। उन्होंने भारत में



रूसी मैनुफैक्चरिंग साइट स्थापित करने की भी पेशकश की।

भारत में मैनुफैक्चरिंग साइट बनाने तैयार : पुतिन

पुतिन ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी का भी ऐसा ही एक कार्यक्रम मेक इन इंडिया है। यह हमारे कार्यक्रम से काफी मिलता-जुलता है। उन्होंने कहा, और हम भारत में अपना मैनुफैक्चरिंग साइट स्थापित करने के लिए तैयार हैं। साथ ही, भारत की अर्थव्यवस्था में रूसनेफ्ट की तरफ से 20 बिलियन अमेरिकी डॉलर का सबसे बड़ा निवेश कुछ समय पहले ही हुआ है। बता दें कि रोसनेफ्ट रूसी संघ की सबसे बड़ी तेल उत्पादक कंपनी है।

भारतीय नेतृत्व देश को

रूसी राष्ट्रपति ने कहा, भारत के प्रधानमंत्री और भारत सरकार स्थिर स्थितियां बना रहे हैं और ऐसा इसलिए है क्योंकि भारतीय नेतृत्व भारत को प्राथमिकता देने की नीति पर चल रहा है और हमारा मानना ​​है कि भारत में निवेश लाभदायक है। राष्ट्रपति पुतिन ने एसएमई के विकास को समर्थन देने के लिए ब्रिक्स देशों के बीच अधिक सहयोग का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा, मैं ब्रिक्स निगम के लिए जिम्मेदार सहयोगियों से सहयोग के मुख्य क्षेत्रों पर स्थिति का विश्लेषण करने के लिए कहूंगा और हम निश्चित रूप से ब्राजील के सहयोगियों का ध्यान आकर्षित करेंगे जो अगले साल ब्रिक्स की अध्यक्षता करेंगे।

प्राथमिकता देने की नीति

तेलंगाना में रेड्डी ने लॉन्च किया इंदिराम्मा इलू मोबाइल ऐप

हैदराबाद (वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने राज्य के लोगों के लिए आवास योजनाओं को सुव्यवस्थित करने को लेकर गुरुवार को 'इंदिराम्मा इल्लू मोबाइल ऐप' लॉन्च किया। श्री रेड्डी ने कहा कि उन्होंने लाभार्थियों की सुविधा, योग्य लोगों को इंदिराम्मा घर प्रदान करने और प्रक्रियाओं को सरल बनाने के लिए ऐप लॉन्च किया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि महत्वाकांक्षी आवास योजना के कार्यान्वयन में कोई त्रुटि न हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि लाभार्थियों के लिए भारत में निवेश लाभदायक है। उन्होंने कहा कि पहले वर्ष में 4.50 लाख घरों को प्रशासनिक मंजूरी दी गई थी

एस जयशंकर ने प्रश्नकाल के दौरान इस्त्राइल-फलस्तीन संघर्ष को लेकर भारत की स्थिति पर जवाब दिए

नई दिल्ली (ए.)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को राज्यसभा को संबोधित किया। यहां उन्होंने प्रश्नकाल के दौरान इस्त्राइल-फलस्तीन संघर्ष को लेकर भारत की स्थिति पर पूरक प्रश्नों के जवाब दिए। जयशंकर ने साफ किया कि देशों को अपनी स्थिति के अनुसार प्रतिक्रिया देने का अधिकार है। लेकिन उन्हें आम लोगों की मौतों को लेकर विचारशील होना चाहिए और मानवीय कानूनों का पालन



जयशंकर ने कहा, हम आतंकवाद की

नई दिल्ली (ए.)। पिछले कई महीने से खतरनाक स्तर पर चल रही दिल्ली एनसीआर की आबोहवा सुधरने लगी है। इसके चलते सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में लागू किए गए ग्रेप 4 के कुछ प्रतिबंधों में छूट की अनुमति दी है। सुप्रीम कोर्ट ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) से कहा कि वह ग्रेप 2 से नीचे प्रतिबंधों में ढील न दे। साथ ही ग्रेप 3 में कुछ उपायों को जोड़ने पर भी विचार करे। 18 नवंबर को शीर्ष अदालत ने सभी दिल्ली-एनसीआर राज्यों को प्रदूषण विरोधी जीआरएपी 4 प्रतिबंधों को सख्ती से लागू करने के लिए तुरंत टीमें गठित करने का निर्देश दिया था। कोर्ट ने साफ किया था कि प्रतिबंध अगले आदेश तक जारी रहेंगे। राजधानी में हवा की दिशा बदलने और गति तेज होने से वायु गुणवत्ता मध्यम श्रेणी में पहुंच गई है। लोगों ने लंबे समय बाद इस श्रेणी की हवा में सांस ली है। इससे आसमान भी

गए थे। दोनों का उपचार चल रहा था। सेहत में सुधार होने पर पुलिस ने पूछताछ के बाद न्यायालय में पेश किया। जहां से जेल भेज दिया है। अभी एक और आरोपी का उपचार चल रहा है। उसकी हालत में सुधार होने पर न्यायालय में पेश किया जाएगा। एसपी कृष्ण कुमार विश्वाई ने बताया कि संभल कोतवाली पुलिस ने नखासा थाना क्षेत्र के शहबाजपुरा निवासी अजीम और बड़ा बाजार निवासी हसन बवाल में शामिल थे। बताया कि दोनों को पुलिस ने घायल अवस्था में गिरफ्तार कर लिया था। जिसके



बिल्कुल साफ रहा। जिससे लोगों को प्रदूषित हवा से लगभग दो महीने बाद राहत मिली है। बुधवार को केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 178 रहा, जोकि मध्यम श्रेणी में है। यह मंगलवार के मुकाबले 100 सूचकांक की कम है। इससे पहले 10 अक्तूबर को एक्यूआई 164 दर्ज किया गया था। इसके बाद सर्दी के दस्तक देने के साथ ही हवा की स्थिति बिगड़ती गई।

क्या है ग्रेडेड रिसपांस एक्शन प्लान?

ग्रेडेड रिसपांस एक्शन प्लान को पहली बार

निंदा करते हैं। हम लोगों को बंधक बनाने की भी निंदा करते हैं। हम इस बात पर विश्वास करते हैं कि देशों के पास अपनी स्थिति के अनुसार प्रतिक्रिया देने का अधिकार है, लेकिन उन्हें आम लोगों की मौतों को विचार में रखना चाहिए। उन्हें मानवावादी कानूनों का पालन करना चाहिए और हम चाहते हैं कि वहां जल्द युद्धबंदी लागू हो और हिंसा जल्द खत्म हो। गौरतलब है कि संयुक्त राष्ट्र महासभा में 27

2017 में लागू किया गया था। इसके जरिए स्थिति की गंभीरता के हिसाब से राजधानी और उसके आसपास के क्षेत्रों में वायु प्रदूषण-रोधी उपायों को लागू किया जाता है।

यह प्रतिबंध किए गए थे लागू

ग्रेप 4 के तहत कई प्रतिबंध लागू किए गए थे। इसमें आवश्यक वस्तुओं को ले जाने वाले या स्वच्छ ईंधन (एलएनजी/सीएनजी/बीएस-वीआई डीजल /इलेक्ट्रिक) का उपयोग करने वाले ट्रकों को छोड़कर किसी भी ट्रक को दिल्ली में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी जा रही थी। इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी), सीएनजी वाहनों और बीएस-ड्यूट डीजल वाले वाहनों को छोड़कर दिल्ली के बाहर पंजीकृत हल्के वाणिज्यिक वाहन भी प्रतिबंध के दायरे में थे। राजमार्ग, सड़क, पुल और अन्य सार्वजनिक परियोजनाओं सहित सभी निर्माण गतिविधियों पर अस्थायी रोक लगाई गई थी।

अक्तूबर को एक प्रस्ताव पेश हुआ था, जिसके तहत आम लोगों की सुरक्षा और वैध-मानवावादी जिम्मेदारियों को निभाए जाने का आह्वान किया गया था। इस प्रस्ताव पर वोटिंग से तब भारत ने खुद को बाहर कर लिया था। इस पर जब जयशंकर से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि यूएनजीए में कई प्रस्ताव आते हैं और इनमें से कुछ में भारत वोटिंग में हिस्सा नहीं लेता या इनके पक्ष में वोट कता है।

ईरानी गैंग ने पुलिस टीम पर किया पथराव

तीन पुलिसकर्मी घायल; 35 के खिलाफ केस, चार हिरासत में

ठाणे (ए.)। महाराष्ट्र के ठाणे में एक अपराधिक मामले के आरोपी को पकड़ने गई पुलिस टीम पर कुख्यात ईरानी गैंग के सदस्यों ने बुधवार रात को हमला कर दिया। हमलावरों ने पुलिसकर्मियों पर पथर फेंके। इसमें मुंबई पुलिस के एक अधिकारी और दो कांस्टेबल घायल हो गए। पुलिस ने ठाणे से 30 किमी दूर अंबिवली क्षेत्र में आरोपी को हिरासत में ले लिया था। मगर जब पुलिस पर पथर फेंके गए तो आरोपी हिरासत से भाग गया। मामले में 35 आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

किया गया है। इनमें से चार को हिरासत में लिया गया है। एक अधिकारी ने बताया कि मुंबई पुलिस की एक टीम बुधवार रात 9.30 बजे अंबिवली क्षेत्र में एक अपराधिक मामले में आरोपी 20 वर्षीय ओने लाला ईरानी को पकड़ने गई थी। जब पुलिस ने उसको हिरासत में लिया तो लोगों के एक समूह ने अंबिवली रेलवे स्टेशन के पास पुलिस पर हमला कर दिया। समूह में शामिल महिलाओं ने पुलिस पर पथर फेंके। इसमें एक पुलिस अधिकारी घायल हो गया। जबकि दो कांस्टेबलों को मामूली चोटें आईं। ईरानी गैंग की ओर से किए गए पथराव के चलते रेलवे की संपत्ति को भी नुकसान पहुंचा।

मस्जिद सर्वे....

संभल हिंसा: चौराहों पर आरोपियों के पोस्टर जल्द लगाएगा प्रशासन, 400 से अधिक चिह्नित

2750 लोगों के खिलाफ केस

संभल (ए.)। संभल में जामा मस्जिद सर्वे के दौरान हुई हिंसा में शामिल आरोपियों के खिलाफ प्रशासन ने कड़ा कदम उठाने का फैसला किया है। जिलाधिकारी राजेंद्र पेंसिया ने कहा है कि हिंसा में शामिल लोगों के पोस्टर सार्वजनिक स्थलों पर लगाए जाएंगे। अब तक 400 से अधिक लोगों की पहचान की गई है। इसमें से 32 को गिरफ्तार किया गया है। पोस्टर में गिरफ्तार लोगों के नाम शामिल नहीं किए जाएंगे। डीएम के



मुताबिक पोस्टर का डिजाइन तैयार किया जा रहा है। इसे जल्द अंतिम रूप दिया जाएगा। शांति समिति की बैठक में तय

दौरान पुलिस पर पथराव और फायरिंग की गई। इसमें पांच लोगों की मौत हो गई थी और कई पुलिसकर्मी घायल हुए थे। प्रशासन का कहना है कि यह कदम कानून-व्यवस्था को सख्ती से लागू करने और इलाके में शांति बनाए रखने के लिए उठाया जा रहा है।

दो बवाली गिरफ्तार, पूछताछ के बाद जेल भेजा

पुलिस ने संभल में बवाल में शामिल दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसमें से दोनों आरोपी बवाल के दौरान घायल हो

■ न्यूज गैलरी

अब तक 5 लाख 30 हजार से अधिक बिजली उपभोक्ताओं ने कराई ई-केवायसी

भोपाल/नवप्रदेश। राज्य शासन की लाभकारी योजनाओं का फायदा लेने के लिए बिजली उपभोक्ताओं को ईकेवायसी कराना अनिवार्य है। उपभोक्ताओं से कहा गया है कि मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के उपाय एप के जरिए भी ईकेवायसी करा सकते हैं। गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध उपाय एप डाउनलोड कर बिजली उपभोक्ता समग्र केवायसी में अपना उपभोक्ता क्रमांक एवं समग्र क्रमांक दर्ज करने के बाद लिंक मोबाइल नंबर पर प्राप्त ओटीपी को दर्ज कर केवायसी प्रक्रिया को पूर्ण कर सकते हैं। केवायसी प्रक्रिया के तहत अब तक 5 लाख 30 हजार 49 उपभोक्ताओं ने सफलतापूर्वक केवायसी करा ली है। कंपनी ने बताया है कि केवायसी प्रक्रिया के तहत नर्मदापुरम ग्रामीण में 67 हजार 725, बैतूल ग्रामीण में 77 हजार 645, राजनगढ़ ग्रामीण में 32 हजार 804, शहर वृत्त भोपाल में 40 हजार 397, भोपाल ग्रामीण में 34 हजार 725, गुना ग्रामीण में 30 हजार 001, विदिशा ग्रामीण में 37 हजार 526, सीहोर ग्रामीण में 20 हजार 581, ग्वालियर ग्रामीण में 20 हजार 022, शहर वृत्त ग्वालियर में 28 हजार 986, अशोकनगर ग्रामीण में 14 हजार 341, दतिया ग्रामीण में 19 हजार 475, रायसेन ग्रामीण में 38 हजार 224, शिवपुरी ग्रामीण में 19 हजार 447, हरदा ग्रामीण में 15 हजार 808, श्योपुर ग्रामीण में 08 हजार 566, सूरना ग्रामीण में 15 हजार 922 एवं भिण्ड ग्रामीण में 07 हजार 854 बिजली उपभोक्ताओं की केवायसी की गई है। गौरतलब है कि मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने कंपनी कार्यक्षेत्र के भोपाल, नर्मदापुरम, ग्वालियर एवं चंबल संभाग के अंतर्गत आने वाले 16 जिलों के बिजली उपभोक्ताओं के बिजली संबंधी व्यक्तिगत विवरण को कंपनी के रिकार्ड में अपडेट करने के लिए नो योर कंज्यूमर (केवायसी) प्रक्रिया शुरू की है। कंपनी द्वारा नो योर कंज्यूमर (केवायसी) प्रक्रिया के तहत बिजली उपभोक्ताओं की व्यक्तिगत जानकारी जैसे समग्र आईडी, मोबाइल नंबर एवं बैंक खाता इत्यादि की जानकारी को अपडेट किया जा रहा है। नो योर कंज्यूमर (केवायसी) प्रक्रिया से बिजली उपभोक्ताओं को जहां राज्य शासन की योजनाओं का लाभ सीधे लाभ अंतरण (डीबीटी) योजना के माध्यम से सुनिश्चित किया जा सकेगा वहीं दूसरी ओर प्रणाली में अधिक पारदर्शिता सुनिश्चित होगी। साथ ही केवायसी से वास्तविक उपभोक्ताओं के विद्युत संयोजन एवं उनके भार की स्थिति का भौतिक सत्यापन सुनिश्चित किया जा सकेगा, जिससे कंपनी कार्यक्षेत्र में विद्युत संरचनाओं के भविष्य में विस्तार की योजना बनाने में आसानी होगी। साथ ही कंपनी द्वारा उपभोक्ताओं की सही पहचान और मोबाइल नंबर को सटीक रूप से टैग करने में मदद मिलेगी, जिससे कंपनी की सेवाओं का सुचारू संचालन सुनिश्चित किया जा सकेगा।

पूर्व मंत्री ठाकुर बोली- इंदौर में बांग्लादेशियों की जांच हो

इंदौर/नवप्रदेश। इंदौर में रह कर काम कर रहे बांग्लादेशियों के खिलाफ अब बीजेपी की पूर्व मंत्री भी मैदान में आ गई हैं। मंत्री ने प्रशासन से इंदौर के सराफा बाजार और सदर बाजार में रहकर काम कर रहे बांग्लादेशियों की जांच कर उन्हें तत्काल यहां से विदा करने की मांग की है। बता दें कि पिछले दिनों इंदौर कांग्रेस ने भी शहर में रह रहे बांग्लादेशियों की जांच की मांग की थी। कांग्रेस ने सराफा एसोसिएशन को पत्र लिखकर जांच करने को कहा था। साथ ही कांग्रेस नेताओं ने यह भी कहा कि यदि कोई व्यक्ति अनैतिक तरीके से यहां रह रहा है, तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। पूर्व मंत्री व महु विधायक उषा ठाकुर ने कहा कि, हम जिला प्रशासन को पत्र लिखकर यह मांग कर रहे हैं कि जितने भी बांग्लादेशी कारोबारी और मजदूर यहां काम करने आए हैं इनका भी परीक्षण किया जाना चाहिए। इनका आधार कार्ड और समग्र आईडी चेक करना चाहिए। वहीं जितने भी बांग्लादेशी है उन सबको यहां से तत्काल विदा करना चाहिए। गौरतलब है कि इंदौर के सराफा बाजार में 15,000 से अधिक बंगाली कारीगर सोने के जेवर बनाने का काम करते हैं। ये कारीगर सराफा बाजार के आसपास किए गए के मकानों में रहते हैं और सराफा बाजार में दबर्तेनुमा कमरों में बैठ कर काम करते हैं। इन कारिगरो की एक एसोसिएशन भी है। सूत्रों के मुताबिक, इन कारीगरों में कुछ बांग्लादेश से आए लोग भी शामिल हो सकते हैं, लेकिन उनकी सही संख्या का कोई पुख्ता रिकॉर्ड नहीं है।

विधायक मेंदोला ने नोबल पुरस्कार समिति से की मांग

इंदौर 2 के विधायक रमेश मेंदोला ने बांग्लादेश में निर्दोष हिन्दुओं के नरसंहार के विरोध में नोबल पुरस्कार समिति से मांग की है कि, बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख युनुस मोहम्मद से नोबल विश्व शान्ति पुरस्कार वापस लिया जाए। मेंदोला ने एक्स पर भी पोस्ट करते हुए कहा है कि बांग्लादेश में हिन्दुओं के नरसंहार और उत्पीड़न के विरुद्ध इंदौर से उठी आवाज अब वैश्विक स्वर ले रही है। मैं नोर्वे स्थित नोबल पुरस्कार समिति से बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख युनुस मोहम्मद से नोबल विश्व शान्ति पुरस्कार वापस लेने की मांग करता हूँ। बता दें कि युनुस मोहम्मद को नोबल प्राइज कमेटी ने साल 2006 में नोबल विश्व शान्ति पुरस्कार से सम्मानित किया था। नोबल प्राइज कमेटी से मांग करते हुए मेंदोला ने कहा कि- पुरस्कार की नीति की समीक्षा करनी चाहिए। जो व्यक्ति अपने देश का मुखिया रहते हुए हिंदू उत्पीड़न, अवैध धर्मांतरण और नरसंहार का जिम्मेदार है। वह नोबल विश्व शान्ति पुरस्कार विजेता कहलाने के योग्य नहीं हो सकता।

बंगाली कारीगर एसोसिएशन बोला- अगर कोई बांग्लादेशी तो हमें कैसे पता चलेगा

बंगाली कारीगर एसोसिएशन के अध्यक्ष सुशांत सामवंत ने कहा कि, सराफा बाजार में काम करने वाले कारीगर पश्चिम बंगाल से आए हैं, जो भारत का हिस्सा है। उन्होंने बताया कि इंदौर सराफा बाजार में लगभग 15 से 20 हजार बंगाली कारीगर काम कर रहे हैं।

भोपाल को झुग्गी मुक्त बनाने का फैसला, कांग्रेस का प्रदर्शन: पूर्व मंत्री बोले- गरीबों से घर छीन रही सरकार

आशंका- बिल्डर को बेचेगी प्लॉट

भोपाल/नवप्रदेश। भोपाल को झुग्गी मुक्त करने के लिए एक बार फिर प्रयास शुरू हुए हैं। पहले फेस में वल्लभ भवन के आसपास की झुगियां हटेंगी। इसके लिए सर्वे पूरा हो गया है। इसी बीच गुरुवार को कांग्रेस सक पर उतर गई। पांच नंबर स्टॉप में कांग्रेसियों ने धरना दिया। पूर्व मंत्री पीसी शर्मा ने कहा कि ये झुग्गी मुक्त नहीं, गरीबों को आवास मुक्त करने का फैसला है। इसके विरोध में सक से लेकर विधानसभा और कोर्ट तक जाएंगे। सुबह 11 बजे से शुरू हुए धरने के बाद मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन भी सौंपा गया। धरने में पूर्व मंत्री पीसी शर्मा, कांग्रेस नेता मुकेश नायक, अरुण श्रीवास्तव, विभा पटेल, कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रवीण सक्सेना, नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष शबिस्ता नकी, पार्षद योगेंद्र सिंह गुड्डू चौहान आदि शामिल हुए।

सरकार नहीं मानी तो विधानसभा में मुद्दा उठाएंगे

पूर्व मंत्री पीसी शर्मा ने कहा, %सरकार ने भोपाल को झुग्गी मुक्त करने का ऐलान किया है। बिना बताए सर्वे चल रहे हैं, चाहे दुर्गा नगर, भीमनगर, ओम नगर, वल्लभ नगर हो...। पहले कह रहे थे कि जहां झुग्गी है, वहीं बसाएंगे, लेकिन वल्लभ नगर में मल्टी बनाने से वल्लभ भवन से ऊंची होने का तर्क दे रहे हैं। जहां से झुग्गी हटाएंगे, वहीं पर मल्टी बनना चाहिए। हमें आशंका है कि सरकार



बिल्डरों को प्लॉट बेच देगी। इसका हम विरोध कर रहे हैं। पहले सक पर उतरेंगे, फिर भी सरकार नहीं मानी तो विधानसभा में मुद्दा उठाएंगे और हाईकोर्ट में भी जाएंगे।

पहले पक्के मकान बनाकर दें, फिर हटाएं

नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष जकी ने कहा, %बीजेपी ने पहले झुग्गी वालों से वोट ले लिए, लेकिन अब झुग्गी को तोने पर आमदा है। गरीबों को घर से बेहर कर रहे हैं। यह सरकार की सही नीति नहीं है। पार्षद गुड्डू चौहान ने कहा, सम्राट अशोकनगर नगर, दुर्गा नगर को हटाने के लिए सरकार सोच रही है। हमारी मांग है कि सरकार झुग्गी के लोगों से बात करे। यहां साल 1984 से पट्टे पर लोग

रह रहे हैं। जो लोग जहां रह रहे हैं, उन्हें वहीं पर पक्के मकान बनाकर दिए जाएं। प्रदर्शन में पार्षद देवांशु कंसाणा, ब्लॉक अध्यक्ष ओमप्रकाश रजक, योगेश सरादे, दिलीप लालवानी आदि भी मौजूद थे।

2 महीने पहले सीएम ने की थी मीटिंग

भोपाल को झुग्गी मुक्त करने के लिए करीब 2 महीने पहले सीएम डॉ. मोहन यादव ने मीटिंग की थी। उन्होंने झुगियों को हटाने के लिए विस्तृत प्लान बनाने को कहा था। उन्होंने कहा था कि पहले भवन तैयार करें। फिर झुगियों को खाली कराएं, ताकि लोगों को परेशानी न हो।

दिव्यांगजनों और पालकों में जानकारी का अभाव

पुनर्वास में सबसे बड़ी बाधा है : डॉ विजेंद्र सिंह

भोपाल/नवप्रदेश। मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय में विश्व दिव्यांगता दिवस के अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया छ कार्यक्रम का शीर्षक था समावेशी और सतत भविष्य के लिए दिव्यांग जनों के नेतृत्व कौशल में वृद्धि छ इस कार्यक्रम का आयोजन मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय के विशेष शिक्षा विभाग द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में स्वागत भाषण देते हुए विशेष शिक्षा विभाग के विभाग अध्यक्ष डॉक्टर हेमंत केशवल ने कहा कि भारत में दिव्यांग जनों के लिए विश्व का सबसे उत्तम कानूनी ढांचा उपलब्ध है, लेकिन बहुत बड़ी संख्या में दिव्यांगजन इन कानूनी और शासकीय सुविधाओं की पहुंच से दूर हैंछ उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों के सर्वाधिकरण के लिए बहुत अधिक कार्य करने की आवश्यकता हैछ हमें उनके प्रति समानभाव रखना चाहिए छ उन्होंने कहा कि दिव्यांगों को उनके अधिकारों के प्रति सजक करना हमारे समाज का कर्तव्य है ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रोफेसर विजेंद्र सिंह मनोचिकित्सक एवं विभाग अध्यक्ष मनोचिकित्सा विभाग एम्स भोपाल, ने कहा कि जानकारी का अभाव दिव्यांगजनों और उनके पालकों की सबसे बड़ी समस्या है छ उन्होंने कहा कि दिव्यांगता में उस व्यक्ति का कोई दोष नहीं है छ वह भी इसी समाज का अभिन्न अंग हैछ हमें उसे बिना किसी शर्त



के स्वीकार करना चाहिए छ उन्होंने कहा कि इस समाज में मंदबुद्धिता के बारे में कई भ्रांतियां हैं छ मानसिक रोग को दवाइयां से ठीक किया जा सकता है किंतु मंदबुद्धिता दवाइयां से ठीक नहीं होती है। सबसे पहले तो परिवार के लोगों को यह स्वीकार करना चाहिए कि बच्चा मंदबुद्धि है। समाज को भी दिव्यांगजनों को समानता के भाव से देखना चाहिए छ उन्होंने कहा कि अक्सर हमारे समाज में मंदबुद्धि बच्चों को भेदभाव और कलंक की भावना से देखा जाता है छ मानसिक रोग का इलाज करने से वह व्यक्ति सामान्य हो सकता है । प्रोफेसर विजेंद्र सिंह ने कहा कि आज के समय में दिव्यांग जनों की पुनर्वास कराए जाने की आवश्यकता है । उन्होंने कहा कि मानसिक रोग एवं मंदबुद्धि में भी पुनर्वास संभव है। डॉक्टर विजेंद्र ने इस बात पर चिंता व्यक्त की लगभग 15 प्रतिशत लोग मानसिक बीमारियों का शिकार हैं लेकिन इनमें से 80से 85 प्रतिशत

जिले में मुक्तिधाम एवं मंदिरों पर कोई अतिक्रमण न हो – मंत्री पटेल

भिण्ड जिला योजना समिति की बैठक

भोपाल/नवप्रदेश। पंचायत एवं ग्रामीण विकास, श्रम और भिण्ड जिले के प्रभारी मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल की अध्यक्षता में गुरुवार को जिला योजना समिति की बैठक जिला पंचायत सभागार भिण्ड में की गई। इस दौरान नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री राकेश शुक्ला, विधायकगण, जनप्रतिनिधि, कलेक्टर एवं जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

मंत्री श्री पटेल ने महिला बाल विकास विभाग की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री कोविड-19 बाल सेवा योजना की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में देखें कि अगर कोई इस योजना का पात्र हितग्राही है तो आप उसकी किस प्रकार से मदद कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि जिले में कुल 12 ऐसे बच्चे हैं जिनके माता पिता की मृत्यु कोरोना काल के दौरान हो गई थी। कोरोना काल के अलावा 55 ऐसे

बच्चे हैं, जिनके माता-पिता नहीं हैं, ऐसे बच्चों के लिए सभी जन-प्रतिनिधि हर 6 माह में जाकर मानवीय आधार पर देखें कि उन बच्चों को वास्तविकता में मदद मिल रही है या नहीं।

मंत्री श्री पटेल ने प्रधानमंत्री सड़क योजना के चौथे चरण अंतर्गत जिले में वर्तमान में प्रगतिरत सड़कों के

संबंध में जानकारी ली। उन्होंने जिले की कौन सी विधानसभा में कितने किलोमीटर की सड़कें बनी है, और कितने प्रतिशत कार्य पूर्ण किया गया है, इस संबंध में जानकारी ली।

मंत्री श्री पटेल ने जल संसाधन विभाग की समीक्षा कर के दौरान किसानों से एग्रीमेंट, पानी पहुंचने की स्थिति, मेंटेनेंस कार्य, टेल एरिया में

कई प्राइम लोकेशन पर झुगियां

भोपाल में चाहे राजभवन से सटे इलाके में 17 एक में फैली रेशनपुरा बस्ती हो या बाणगांगा, भीमनगर, विश्वकर्मा नगर जैसी टॉप 8 झुग्गी-बस्तियां शहर के बीच प्राइम लोकेशंस पर करीब 300 एक में फैली हैं। इनके अलावा राहुल नगर, दुर्गा नगर, बाबा नगर, अर्जुन नगर, पंचशील, नया बसेरा, संजय नगर, गंगा नगर, बापू नगर, शबरी नगर, ओम नगर, दामखो, उर्डिया बस्ती, नई बस्ती, मीरा नगर जैसी कुल 388 बस्तियां शहर में हैं। इन सबकी जमीन का हिसाब लगाएं तो यह करीब 1800 एक के आसपास बैठती है। इनमें से ज्यादातर पंश इलाकों में ही है।

8 महीने में भदभदा में झुगियां हटाई गईं

नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (हबझ) के आदेश के बाद जिला प्रशासन ने इसी साल भोपाल की भदभदा बस्ती से कुल 384 झुगियां हटा दी थीं। 4 दिन चली कार्रवाई के दौरान सियासत भी खूब गरमाई। दूसरी ओर, राजधानी में अभी भी हजारों ऐसी झुगियां हैं, जो सरकारी जमीन पर तान दी गई हैं। यही कारण है कि पिछले 4 साल में 20 इलाकों में नई बस्ती डेवलप हो गई। आरिफ नगर में तो 500 से ज्यादा झुगियां बन गई हैं। डीआईजी बंगला चौराहे से करोंद चौराहे की ओर जाने वाले रास्ते पर रेलवे ओवरब्रिज की शुरुआत पर ही झुगियां नजर आती हैं। यही तस्वीर बाकी जगहों पर भी देखने को मिल सकती

है। करीब 40 साल में 3 बार राजधानी को झुग्गी मुक्त बनाने का अभियान चला। इस दौरान 1450 करो रुपए खर्च भी किए गए। फिर भी शहर में झुग्गी-बस्तियों के इलाकों की संख्या बती गई। 3 साल पहले तक इनकी संख्या 72 थी, जो अब करीब 85 हो गई है। एक रिपोर्ट के अनुसार-सबसे ज्यादा झुग्गी वाले देश के टॉप-10 शहरों में मुंबई, दिल्ली, चेन्नई, हैदराबाद, लखनऊ, कोलकाता, नागपुर, अहमदाबाद, बेंगलुरु के साथ भोपाल भी शामिल रहा है।

1984 में अर्जुन सिंह सरकार ने पहली बार अभियान चलाया।

2004 में बाबूलाल गौर ने झुगियों के रि-डेसीफिकेशन की योजना बनाई।

2015 में सीएम शिवराज सिंह चौहान सरकार में पीएम आवास योजना की शुरुआत हुई और शहर में पक्के मकान व पट्टे देने का अभियान शुरू हुआ।

अब फिर से झुगियों को हटाने की कार्रवाई शुरू हुई है।

राजधानी में गंगानगर, राहुल नगर, 11 नंबर, मालीखौं, भानपुर समेत कई इलाकों में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास बन रहे हैं, लेकिन नियमों के चलते कई लोग अपात्र हो जाते हैं। वहीं, अधूरे होने की वजह से सालों से लोगों को मिल नहीं पाए हैं। अंकों पर नजर डालें तो भोपाल में कुल 7755 पीएम आवास हैं। इनमें 3 हजार से अधिक अधूरे हैं। यानी, इतने लोगों के सपनों का घर अब तक बनकर तैयार नहीं हुआ है।

विच्छेदित कनेक्शन बिल भरते ही अपने आप जुड़ जाएगा : मंत्री तोमर

स्मार्ट मीटर वाले उपभोक्ताओं के लिए पश्चिम क्षेत्र बिजली कंपनी ने दी एक और सुविधा

भोपाल/नवप्रदेश। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने स्मार्ट मीटर से संबद्ध उपभोक्ताओं को गुरुवार से एक और सुविधा प्रदान की है। यदि किसी स्मार्ट मीटर से संबंधित उपभोक्ता का कनेक्शन बकाया बिल भरते ही उसका कनेक्शन कुछ मिनट में ही पुनः जुड़ जाएगा। उसे बिजली कार्यालय आने या किसी को फोन करने, जमा रसीद भेजने की आवश्यकता नहीं होगी। मप्र में सबसे पहले इंदौर से स्मार्ट मीटर कन्ज्यूमर ऑटोमेशन प्रक्रिया प्रारंभ होने और नई उपभोक्ता सुविधा प्रदान करने पर ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर एवं अपर मुख्य सचिव ऊर्जा श्री नीरज मंडलोई ने कार्मिकों को बधाई दी। मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर की प्रबंध निदेशक सुश्री रजनी सिंह ने बताया कि सबसे पहले ऑटोमेशन की यह सुविधा 2020 से 2024 तक लगे स्मार्ट मीटर वाले उपभोक्ताओं को प्रदान की गई है। इसके लिए कंपनी की सूचना प्रौद्योगिकी शाखा, पेमेंट गेटवे सिस्टम और स्मार्ट मीटर परियोजना शाखा को एक दूसरे से रियल टाइम संबद्ध

किया गया है। बिजली कंपनी उपभोक्ताओं को नियत तिथि तक बिल राशि जमा करने की सुविधा व राशि जमा करने का संदेश देती है, इसके बाद भी यदि स्मार्ट मीटर वाले उपभोक्ताओं की बकाया राशि जमा नहीं होने पर बिजली ऑटोमेटिक रूप से कटती, तो बिल राशि एवं बिजली कनेक्शन काटने, जोड़ने की राशि सहित कुल बिल मोबाइल/कम्प्यूटर पर दिखेगा। कुल बिल राशि जमा करते ही कनेक्शन अपने आप जुड़ जाएगा। इस सुविधा के लिए पेमेंट गेटवे से सूचनाएं तुरंत ही बिजली कंपनी की सूचना प्रौद्योगिकी शाखा के पास आएंगी, कुछ सेकंड में यह सूचना अपने आप स्मार्ट मीटर परियोजना के सर्वर तक पहुंच जाएगी उसके बाद कनेक्शन ऑटोमेटिक जुड़ जाएगा। पहले चरण में यह सुविधा 2020 से 2024 के बीच लगे 7.25 लाख स्मार्ट मीटर से संबद्ध उपभोक्ताओं को दी गई है। इस अवधि के पहले के स्मार्ट मीटर वाले उपभोक्ताओं को भी यह सुविधा प्रदान करने के लिए विभागीय तौर पर कार्य किया जा रहा है मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने कहा कि शासन के आदेशानुसार कृषि क्षेत्र के लिए 10 घंटे एवं अन्य सभी श्रेणी के उपभोक्ताओं के लिए चौबीस घंटे बिजली आपूर्ति व्यवस्था प्रभावी है। ऐसे में उपभोक्ता बकाया बिजली बिल समय पर जमा करें, कैशलेस बिजली बिल जमा करने पर नियामक आयोग के

इंदौर के कॉटन कारोबारी के यहां इनकम टैक्स की रेड

इंदौर/नवप्रदेश। मध्यप्रदेश के इंदौर और धार में आयकर विभाग ने कई ठिकानों पर एक साथ छापे मारे। विभाग की अलग-अलग टीम इंदौर, देपालपुर और मनावर में संचिंण कर रही हैं। जिन लोगों के यहां ये कार्रवाई हो रही है उनमें इंदौर के कॉटन कारोबारी और मनावर के बिल्डिंग मटेरियल व्यापारी, कॉलोनाइजर और प्रॉपर्टी ब्रोकर शामिल हैं। बताया जा रहा है कि गुजरात के किसी रियल स्टेट कारोबारी के हवाला कारोबार में बिटकॉइन में लेन-देन के तार इंदौर और धार के मनावर से जुड़े हैं। छापेमारी के लिए अहमदाबाद और भोपाल से आई अफसरों की टीमें देवास में ठहरी थी। गुरुवार सुबह कार्रवाई शुरू की। धार के मनावर में 70 से अधिक कर्मचारियों करीब 30 वाहनों से मनावर पहुंचे। जहां-जहां कार्रवाई चल रही है, वहां भारी पुलिसबल तैनात है। इंदौर में कॉटन कारोबारी के तीन ठिकानों पर जांच चल रही है।

इंदौर में कॉटन कारोबारी के घर-ऑफिस में जांच

इंदौर के कालानी नगर स्थित कॉटन कारोबारी सुरेश मेहता के निवास पर टीम ने सर्चिंग शुरू की है। यहां स्थानीय पुलिस की भी मदद ली गई है। इनकम टैक्स की एक टीम जंजीर वाला चौराहा स्थित डीएम टावर में सुरेश मेहता के ऑफिस की पहुंची थी जो बंद मिला था। कालानी नगर में मेहता का घर और ऑफिस दोनों हैं। टीम मेहता के घर पर दस्तावेजों की छानबीन कर रही है। मेहता के देपालपुर स्थित वेयर हाउस पर भी एक टीम के पहुंचने की सूचना है। धार जिले के मनावर में अलसुबह इनकम टैक्स विभाग की टीम ने 7 जगह दबिश दी। मनावर के सबसे बड़े बिल्डिंग मटेरियल व्यापारी आरसी जैन, प्रॉपर्टी ब्रोकर अमित शर्मा, राजेश शर्मा, कालू उर्फ बब्बू टेलर, जहीर शेख, पंकज गोधा सहित क्रिकेट सट्टा कारोबार से जुड़े पेट्रोल पंप व्यवसायी सावन पहाड़िया के यहां पर टीम जांच में जुटी है। मनावर में सुबह से इस बड़ी कार्रवाई से अन्य व्यापारियों में हड़कंप मच गया है।



अच्छी सूरत से ज्यादा अच्छ स्वभाव मायने रखता है। सूरत तो कुछ सालों में बदल जाती है लेकिन अच्छ स्वभाव आजीवन बना रहता है। - अज्ञात

फडणवीस को महाराष्ट्र की कमान

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के परिणाम घोषित होने के 1२ दिनों बाद अंततः पूर्व मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस को ही महाराष्ट्र की कमान सौंप दी गई। वैसे तो महाराष्ट्र में भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन को बहुमत मिलने पर देवेन्द्र फडणवीस का ही मुख्यमंत्री बनना ज्ञाय था। महाराष्ट्र में सबसे में ज्यादा 1३२ सीटें मिली और वह सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी तो देवेन्द्र फडणवीस का मुख्यमंत्री बनना पूरी तरह से सुनिश्चित हो गया। इसके बावजूद उनके नाम की अधिकृत घोषणा होने में १२ दिन का समय इसलिए लग गया कि पूर्व मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ही मुख्यमंत्री बनने के सपने देखने लगे। हालांकि उन्होंने चुनाव के पूर्व ही देवेन्द्र फडणवीस के मुख्यमंत्री बनाये जाने पर अपनी सहमति दे दी थी लेकिन चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद शिवसेना की दूसरी सबसे पार्टी बनने पर उनके में मन में मुख्यमंत्री बनने की लासना जग गई। नतीजतन महाराष्ट्र के नये मुख्यमंत्री के चयन में पेंच फंस गया। एकनाथ शिंदे अचानक गांव चले गये। फिर उनकी लंबीयत खराब हो गई। जिसकी वजह से मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा होने में विलंब हुआ और मुख्यमंत्री पद को लेकर तहह तरह की अटकलें भी लगने लगी। अंततः एकनाथ शिंदे देवेन्द्र फणडवीस के नाम पर सहमत हो गये। दरअसल महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में इस बार सबसे ज्यादा १६८ मराठा विधायक चुने गये हैं। इसलिए देवेन्द्र फडणवीस जैसे गैर मराठा नेता का मुख्यमंत्री बनना आसान नहीं था। भाजपा हाईकमान ने देवेन्द्र फणवीस को ही यह जिम्मेदारी सौंपी थी कि वे दोनों मराठा नेताओं एकनाथ शिंदे और अजीत पवार को मनाये ताकि मराठाओं में असंतोष न फैले। अजीत पवार को नाराज ही नहीं हुए थे और वे फिर से उपमुख्यमंत्री बनने के लिए अपनी सहमति दे चुके थे। किन्तु एकनाथ शिंदे नाराज हो गये थे। आखिरकार उनकी भी नाराजगी दूर कर दी गई। इसके लिए देवेन्द्र फडणवीस को काफी मशक्कत करनी पड़ी। देवेन्द्र फणडवीस की राह असान नहीं थी। यह अलग बात है कि भाजपा हाईकमान और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की वे पहली पसंद थे किन्तु उनका गैर मराठा होना उनके लिए माईनस प्वाइंट बन गया था। यही वजह है कि उनके सीएम बनने में १२ दिनों का समय लग गया। अब उन्होंने तीसरी बार महाराष्ट्र की कमान संभाल ली है। देवेन्द्र फडणवीस २०१४ में पहली बार महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बने थे। और उनके नेतृत्व में भाजपा व शिवसेना के गठबंधन वाली सरकार ने अपने पांच साल का कार्यकाल पूरा किया था। इस दौरान महाराष्ट्र का चुंदुमूखी विकास भी हुआ था। इसलिए २०१९ के विधानसभा चुनाव में भी महाराष्ट्र के मतदाताओं ने भाजपा और शिवसेना के गठबंधन की ही सरकार बनाने के लिए वनादेश दिया था। लेकिन शिवसेना के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री बनने की जिद पर अड़ गये और एक नाटकीय घटनाक्रम के बाद देवेन्द्र फडणवीस ने अजीत पवार के समर्थन से अपनी सरकार बनाने का दावा पेश कर दिया। और मुख्यमंत्री पद की सपथ ले ली। उनके साथ अजीत पवार ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली लेकिन इस बीच महाराष्ट्र की राजनीति में शरद पवार ने बड़ा खेला कर दिया। उन्होंने अजीत पवार को वापस अपने खेमे बुला लिया। मात्र ८० घंटे के भीतर देवेन्द्र फडणवीस मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ गया। इसके बाद शरद पवार ने २ विपरीत ध्रुवों कां मिलाते हुए शिवसेना और कांग्रेस में समझौता करा दिया और महाअभ्याेी गठबंधन की सरकार बन गई। इस तरह उद्धव ठाकरे के मुख्यमंत्री बनने का चिर प्रतिक्षित सपना साकार हो गया था। उस समय देवेन्द्र फडणवीस ने एक शेर पड़ा था कि - मेरा पानी उतरता देखकर किनारे पर घर मत बना लेना मैं समंदर एक दिन लौटकर आउंगा। आखिरकार वे लौटकर आ ही गये। देवेन्द्र फडणवीस ने मुख्यमंत्री पद की शपथ भी ले ली है और अब वे अपनी तीसरी पारी शुरू करने जा रहे हैं। उनके सामने चुनौतियां का लंबा सिलसिला है। खासतौर पर पूर्व मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को मनाकर रखना उनके लिए बड़ी समस्या होगी। गौरतलब है कि ये वही एकनाथ शिंदे है जिन्होंने अपनी मात्र संस्था शिवसेना के साथ बग़ायत की थी और शिवसेना पर काबिज हो गये हैं। ऐसे में वे भरोसे के लायक कतई नहीं हैं। हालांकि भाजपा को महाराष्ट्र में १३२ सीटें मिली हैं और उसे अंजित पवार की पार्टी का समर्थन प्राप्त है। ऐसे में यदि एकनाथ शिंदे बग़ायत की रूख अख़्तियार भी करते हैं तो भी देवेन्द्र फडणवीस की सरकार के लिए कोई ,खतरा पैदा नहीं होगा। लेकिन उनके अलग होने से महाराष्ट्र में खासतौर पर मराठाओं के बीच गलत संदेश जायेगा इसलिए एकनाथ शिंदे को राजी रखना होगा। उम्मीद की खानी चाहिए कि देवेन्द्र फडणवीस महायुति गठबंधन में सामंजस्य बनाकर रहने में सफल होंगे और उनके नेतृत्व में महायुति की सरकार अपने पांच साल का कार्यकाल सफलतापूर्वक पूरा करेगी।

प्रेरक प्रसंग

किसान और चट्टान

एक किसान था, वह एक बड़े से खेत में खेती किया करता था। उस खेत के बीचों-बीच पत्थर का एक हिस्सा ज़मीन से ऊपर निकला हुआ था जिससे ठोकर खाकर वह कई बार गिर चुका था और ना जाने कितनी ही बार उससे टकराकर खेती के औजार भी टूट चुके थे। रोजाना की तरह आज भी वह सुबह-सुबह खेती करने पहुंचा था जो सालों से होता आ रहा था वही हुआ, एक बार फिर किसान का हल पत्थर से टकराकर टूट गया। किसान बिल्कुल क्रोधित हो उठा और उसने मन ही मन सोचा की आज जो भी हो जाए वह इस चट्टान को ज़मीन से निकाल कर इस खेत के बाहर फेंक देगा। वह तुरंत भागा और गाँव से ४-५ लोगों को बुला लाया और सभी को लेकर वह उस पत्थर के पास पहुंचा। मित्रों, किसान बोला, -ये देखो ज़मीन से निकले चट्टान के इस हिस्से ने मेरा बहुत नुकसान किया है और आज हम सभी को मिलकर इसे जड़ से निकालना है और खेत के बाहर फेंक देना है। और ऐसा कहते ही वह फ़वड़े से पत्थर के किनारे बार करने लगा, पर ये क्या ! अभी उसने एक-दो बार ही मारा था कि पूरा का पूरा पत्थर ज़मीन से बाहर निकल आया। साथ खड़े लोग भी अचरज में पड़ गए और उन्हीं में से एक ने हँसते हुए पूछ, -क्यों भाई, तुम तो कहते थे कि तुम्हारे खेत के बीच में एक बड़ी सी चट्टान दबी हुई है, पर ये तो एक मामूली सा पत्थर निकला ??

किसान भी आश्चर्य में पड़ गया, सालों से जिसे वह एक भारी-भरकम चट्टान समझ रहा था दरअसल वह बस एक छोटा सा पत्थर था। उसे पछतावा हुआ कि काश उसने पहले ही इसे निकालने का प्रयास किया होता तो ना उसे इतना नुकसान उठाना पड़ता और ना ही दोस्तों के सामने उसका मज़ाक बनता।

आज का पंचांग

	बुध-१४				
बुध	सूर्य-शुक्र-शनि	१३-१५	८		
९	१५	राहु	चन्द्र-केतु		
१४	४			६	
मंगल			५		

सूर्योदय: ०६:५७, सूर्यास्त: ०५:२०, चन्द्रोदय: २९:००, चन्द्रास्त: १५:१५
अवसन : **दक्षिणायन (दक्षिणगोलीय)**
ऋतु : **हेमन्त, शक सम्वतः १९४६ (क्रोधी), विक्रम सम्वतः २०८१ (पिगल), मास : मार्गशीर्ष, पक्ष : शुक्ल, तिथि : षष्ठी (पूर्णा रात्रि), नक्षत्र : श्रवण से , योग सौभाग्य: (१६:०२ से शीतान), प्रथम करण : गार (१९:३४ तक), द्वितीय करण: वणिज (पूर्णा रात्रि)**

॥ गोरचर ग्रहः ॥



गजेंद्र सिंह शेखावत **केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री, भारत सरकार**

गाँव का संविधान इस गाँवों में अंतुष्ट है कि वह गुल्ल स्था से एक हस्तलिखित दस्तावेज था। इसे अंग्रेजी में प्रेम बिहारी उदयगुप्त और हिंदी में वकील के पैदा ने सुसंछित किया था। उदयगुप्त ने प्राबल्यपूर्ण इतिहाक ढँची का इस्तेमाल किया और सुरेश्वर चौ की कला अपने दाव से सीखी। संविधान बैंक (जिसे अब कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ़ इंडिया के नाम से जाना जाता है) के एक कमरे में काम करते हुए, उन्होंने एक महीने के दौरान दस्तावेज तैयार किया। उन्होंने इसे लिखते समय सेक्रेट्री पेन निंब का इस्तेमाल किया। गाँव के संविधान के अंग्रेजी संस्करण के सुरेश्वर प्रेम बिहारी नायकग उदयगुप्त (प्रेम) के हस्ताक्षर दस्तावेज के हर पृष्ठ पर दिखाई देते हैं। राष्ट्रीय महत्वा की इस परिदेोजना को शुरू करने के लिए उन्होंने यहाँ एकजान अनुसुच किया था। गाँव का संविधान एक मौलिक कला रचना है जो समय की कसीटी पर खल उतर है। गाँसीय संविधान ने कलात्मकता गाँव के कूटस्थीय इतिहास को दर्शाती है और सामाजिक संस्कृतिक, पौष्ठीक, वैभीय, आचारिक, मौलिक परिदृश तथा अन्य कक्षों के प्रीति श्रद्धांगति है जो गाँव को एक अद्वितीय और नीकई अनुसुच बनाते हैं। यह एक ऐसे कक्ष की वास्तविकता को दर्शाते है जो अपने प्राचीन अतीत को स्वीकार करता है, विकसित ने कक्षा का उत्सव मनाता है और गतिव्य की ओर देखाता है।

आज का इतिहास

नई दिल्ली/वार्ता। १९०७ भारत के स्वतंत्रता संग्राम से संबंधित ड़केती की पहली घटना चिंगरीपोटा रेलवे स्टेशन पर हुई। १९१७ फ़िलैंड ने रुस से स्वतंत्रता की घोषणा की। १९२६- फ़िाक गोराखपुरी अपने साहित्यिक जीवन के आरंभिक समय में ब्रिटिश सरकार के राजनीतिक बंदी बनाए गए थे। १९४६- होमगार्ड सोंडन की स्थापना की गई। १९७८ - यूरोपीय देश स्पेन में संविधान को अंगीकार किया गया। १९८३ - इजरायल की राजधानी यरूशलम में एक बस धमाके में छह नागरिकों की मौत। १९९० - युद्ध टालने के प्रयासों के तहत इराक के राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन ने इराक और कुवैत में बंधक बनाये गये सभी विदेशी बंधकों की रिहाई का आदेश दिया। १९९२ - अयोध्या का विवादित बाबरी मस्जिद ढांचा गिराया गया। इसके प्तरस्वरूप हुई हिंसा में करीब ४०० लोग मारे गये। १९९७ - क्योटो में अंतर्राष्ट्रीय जलवायु सम्मेलन प्रारम्भ। १९९८ - बैंकॉक में १३वें एशियाई खेलों की शुरुआत, इटली को हराकर स्वीडन लगातार दूसरी बार डोक्स कप विजेता बना। १९९९ - इंडोनेशियाई जेल से २८३ कैदी फ़रार। २००१ - अफ़्ग़ानिस्तान में तालिबान हथियार डालने पर सहमत।

QUIZ TIME

- प्राचीन बादामी चालुक्य मंदिर हाल ही में किस नदी के किनारे मुदिमानिवयम गाँव में खोजे गए थे?
- हाल ही में समाचारों में देखी गई लॉफ नीध झील किस देश में स्थित है?
- प्रथम बाल अनुकूल पुलिस स्टेशन का उद्घाटन कहाँ किया गया है ?

(५) ృ ృ ృ ృ ృ (४) ృ ృ ృ ృ ృ (६) ృ ృ ృ ృ ృ (७) ృ ృ ృ ృ ృ (८) ృ ృ ృ ృ ృ (९) ృ ృ ృ ృ ృ



ज्योतिषचार्य वासुदेवेश्वर ओवर देवतार गुरुजी

करेंगे।

वृष : आज का दिन शुभ फ़ादयती है आज आप विपरीत परिस्थिति में भी अपने पराक्रम से धन कमाएंगे।

मिथुन : आज का दिन बीते दिन की तुलना में सुधार वाला रहेगा किसी से कितने अमर्र आचरण का पश्चाताप होगा।

कर्क : आज के दिन आप अपने लापरवाह व्यवहार के कारण लोगो से शत्रुता मोल लेंगे।

अभिव्यक्ति

भारतीय संविधान में कलात्मकता

हमारा भारत देश संस्कृति और ऐतिहासिक विरासत का एक जीता जागता अनुभव है। इसके इतिहास को सरल शब्दों में व्यक्त करना अत्यंत कठिन है। इससे भी अधिक कठिन है पांच हजार से अधिक वर्षों की सभ्यता के इतिहास को एक दस्तावेज के रूप में व्यक्त करना, जो देश की स्वतंत्रता के समय एक नए स्वतंत्र हुए राष्ट्र के भाग्य का मार्गदर्शन करने वाला हो। लेकिन आचार्य नंदलाल बोस केवल एक कलाकार नहीं थे और भारत के संविधान पर चित्रण उनके लिये केवल एक और कार्य नहीं था। संविधान में चित्रण के लिए उनकी दृष्टि हड़प्पा सभ्यता के समय से लेकर स्वतंत्रता प्राप्ति के समय तक भारत की यात्रा का वर्णन करती है।

यह सभी चित्रण संविधान के अंतिम पृष्ठ पर सूचीबद्ध हैं और उन्हें बारह ऐतिहासिक काल में वर्गीकृत किया गया है: मोहनजोदड़ो काल, वैदिक काल, महाकाव्य काल, महाजनपद और नंद काल, मौर्य काल, गुप्त काल, मध्यकालीन काल, मुस्लिम काल, ब्रिटिश काल, भारत का स्वतंत्रता आंदोलन, स्वतंत्रता के लिए क्रांतिकारी आंदोलन और प्राकृतिक विशेषताएँ।

संविधान की शुरुआत हमारे राष्ट्रीय प्रतीक के चित्रण से होती है। नंदलाल बोस इस बात को लेकर बहुत स्पष्ट थे कि प्रतीक में शेर बिल्कुल असली शेरों की तरह दिखें, उनकी चाल और चेहरे के हाव-भाव सही हों और आयु के हिसाब से उम्र में बदलाव हो। राष्ट्रीय प्रतीक के डिजाइन नंदानाथ भार्गव, जो उस समय कला भवन में एक युवा छात्र थे, इस कलाकृति को चित्रित करने से पहले शेरों के हाव-भाव, शारीरिक भाषा और तौर-तरीकों का अध्ययन करने के लिए महीनों तक कोलकाता चिड़ियाघर गए। प्रस्तावना पृष्ठ और कई अन्य पृष्ठों को बेहर राममनोहर सिन्हा ने डिजाइन किया था। नंदलाल बोस ने बिना किसी बदलाव के प्रस्तावना हेतु सिन्हा जी की बनाई कलाकृति का समर्थन किया। इस पृष्ठ पर निचले दाएं कोने में देवनागरी में सिन्हा का सक्षिप्त हस्ताक्षर राम है।

संविधान की प्रस्तावना एक हाथ से लिखा हुआ लेख है जो आयकराजर्नल बॉर्डर से घिरा हुआ है। बॉर्डर के चार कोनों में चार पशुओं को दर्शाया गया है। दशाएँ गए चार जानवर भारत के राष्ट्रीय प्रतीक के आधार से लिए गए हैं। बॉर्डर की कलाकृति में कमल की आकृति प्रमुखता से दिखाई देती है। कमल की आकृति बॉर्डर कलाकृति में प्रमुखता से दिखाई देती है। संविधान का प्रत्येक भाग एक चित्र से आरंभ होता है और अलग-अलग पृष्ठों पर अलग-अलग बॉर्डर डिजाइन दर्शाए गए हैं। कलाकारों के हस्ताक्षर चित्र और बॉर्डर के पास दिखाई देते हैं जो इस प्रोजेक्ट में सभी के सहयोग को दर्शाता है। अनेक पृष्ठों पर कई हस्ताक्षर हैं जो बंगाली, हिंदी, तमिल और अंग्रेजी में दिखाई देते हैं। भारत के संविधान के भाग १९ में विविध विषयों से संबंधित एक चित्र है जिसमें नेताजी सैन्य पोशाक में अपने सैनिकों से

घिरे हुए सलामी दे रहे हैं। नंदलाल बोस के हस्ताक्षर चित्रण पर दिखाई देते हैं और ए. पेरुमल के हस्ताक्षर पृष्ठ के बाएं निचले कोने पर दिखाई देते हैं। वे कला को लोगों तक ले जाने वाले कलाकार के रूप में प्रसिद्ध हुए। वे शांतिनिकेतन के गाँवों में जाते और संथाल घरों की दीवारों को जानवरों, पक्षियों और पेड़ों वाली प्रकृति की थीम से सजाते। वे शांतिनिकेतन के कला भवन में चार दशकों से अधिक समय तक नंदलाल बोस जैसे महान कलाकारों के साथ रहे और काम किया, उन्हें खेह से 'पेरुमलदा' कहा जाता था।



संविधान का भाग ड़्द्ध, जो प्रथम अनुसूची के भाग, में राज्यों से संबंधित है, वह ध्यान में बैठे भगवान महावीर की समृद्ध रंगीन चित्र से शुरू होता है, जिसमें वे अपनी आँखें बंद करके और हथेलियाँ एक दूसरे पर टिकाकर बैठे हुए हैं। भगवान महावीर के दोनों ओर एक-एक पेड़ हैं और प्रेम में एक मोर भी दिखाई दे रहा है जो प्रकृति में सामंजस्यपूर्ण सह-अस्तित्व को दर्शाता है। यह मूल संविधान के कुछ रंगीन चित्रों में से एक है। रंगीन चित्रों में जमुना सेन और नंदलाल बोस के हस्ताक्षर हैं। इस पृष्ठ पर बॉर्डर डिजाइन में राजनीति नामक कलाकार के हस्ताक्षर भी हैं।

भारतीय संविधान का भाग १५ चुनावों पर केंद्रित है। इस पृष्ठ पर दिए गए चित्रों में भारत के दो वीर सपूत छत्रपति शिवाजी महाराज और गुरु गोविंद सिंह को दिखाया गया है। इस पृष्ठ पर दिए गए चित्र धीरेद कृष्ण देव बर्मन द्वारा बनाए गए हैं, जो त्रिपुरा राजघराने के सदस्य थे और रवींद्रनाथ टैगोर और नंदलाल बोस के साथ उनके घनिष्ठ संबंध थे। बॉर्डर डिजाइन पर कृपाल सिंह शेखावत के हस्ताक्षर हैं, जो भारत के एक प्रसिद्ध कलाकार और मिट्टी के बर्तन बनाने वाले थे, जिन्हें जयपुर की प्रतिष्ठित ब्लू पॉटरी की कला को पुनर्जीवित करने के लिए जाना जाता है।

शांतिनिकेतन में ललित कला संस्थान कला भवन ने भारत

पाठकों की बात

एक वक्त की बात

एक वक्त की बात करूँ एक वक्त की बात सुनूँ गुजरे सब दिन-रात कैसे एक वक्त की बात कहूँ... कि वक़्त से वक़्त मिलकर एक वक्त के यूँ साथ चरूँ तुम मिले, मैं मिली ये वक़्त वक़्त की फिर हमराज़ बनूँ... कि मुनासिब है वक़्त से गुज़र कर तेरा साथ मिलना राक्ता बना इश्क़...!!

– **नंदिता तनूजा**

बंगलादेश का मामला

बंग्लादेश का मामला अब बंगलादेश का घरेलू समस्या है जिसका काम बाँधक आयोजन कर खाओ पियो मौज करो तक सीमित है का भरोसा छेड़ एक संयुक्त संसदीय दल बेजकर हाल का जायज़ा लेकर भारतीय सेना को शांति सेना के रूप मे व्यवस्था कायम होने तक के लिये भेजना चाहिए। – **एडीवी अरूण कुमार गुप्ता**

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

..खास..प्राती.. दिल मैं गूँजती अवसर तेरी यादें है तू

दिल मैं गूँजती अवसर तेरी यादें है तू नही है बस तेरे एहसास हमारे हैं वो सारे लम्हात अब भी प्यारे हैं मैंने तेरी याद में जो शब गुजारे हैं अब बदले-बदले हुए हैं उनके लहजे भी रहे जो मुझे हमेशा जान से भी प्यारे हैं हम तो चले आए वफ़ के साहिल पर मगर देख, तू अब भी दूसरे किनारे है इन आंखों में जब भी चमका कोई नूर हर जगह दिखते रहे तेरे ही नजारे हैं अपनी हालात पर सोचू तो मुस्कुराती हूँ इस दिल पर ना जाने कितने गिरे शरारें हैं – **डेजी जयसवाल**

खा म खा दर ब दर भटकते रहे

खा म खा दर ब दर भटकते रहे तुम रिश्ते को ढूँढते रहे तुम तुम्हें आभास भी न था शुरूआत भी वही रहा और अंत भी खा म खा दर ब दर भटकते रहे तुम – **सोनु कुमार आकाश**

जोगन बनती प्रीत की, प्रियतम खेले

जोगन बनती प्रीत की, प्रियतम खेलों रंग। साजन मेरे मन बसो, छूना मत बस अंग॥ चुटकी भर सिंदूर जो, पिया लगाते गाल। लगी सिमटने आप ही, हुई रिश्ता से लाल॥ सिंदूरी सी साँझ में, तन- मन छेड़े जंग। साजन मेरे मन बसो, छूना मत बस अंग॥ बंधन में मत बाँधना, प्रेम प्रीत की डोर। संबंधों के नाम से, भीगें नैना कोर॥ देह लगाया हाथ जो, हो जाऊँगी तंग। साजन मेरे मन बसो, छूना मत बस अंग॥ इस दुनिया की रीत है, नार करे जो प्रीत। लोग बोलते बोल हैं, कैसी है यह रीत॥ तंज कसे हैं लोग ये, मान करो मत भंग। साजन मेरे मन बसो, छूना मत बस अंग॥ जोगन तेरी प्रीत की, प्रियतम खेलों रंग। साजन मेरे मन बसो, छूना मत बस अंग॥

– **सुमन ओमानिया**

और दुनिया के सभी कोनों से छात्रों और कलाकारों को आकर्षित किया, इस प्रकार विभिन्न प्रभावों को समाहित करते हुए उल्कृष्टता की निरंतर खोज करते हुए एक इकोसिस्टम निर्मित किया और अंत में, एक अनूठी भारतीय शैली और कला निर्मित की। इस पर काम करने वाले कई कलाकारों ने अपने करियर में महान ऊंचाइयों को हासिल किया, लेकिन इस परियोजना के समय शांतिनिकेतन के छात्र और सहयोगी ही थे जो अपने श्रद्धेय ‘मास्टर मोशाय’ नंदलाल बोस के सपने को जीवंत करने के लिए प्रयत्नशील थे।

संविधान में चित्रों की प्रेरणा भारत के विशाल इतिहास, भौतिक परिदृश्य, पौराणिक चित्र और स्वतंत्रता संग्राम में निहित है। भारत के संविधान का भाग १३ ‘भारतीय क्षेत्र में व्यापार, वाणिज्य और उनके परस्पर संबंधों’ से संबंधित है। इस पृष्ठ पर दिया गया चित्रण महाबिलापुरम में स्मारकों के समूह का हिस्सा है जो यूनेस्को द्वारा अंकित विश्व धरोहर स्थल है। ‘गंगा का अवतरण’ एक बड़ा, खुली हवा में बनी चट्टान की नक्काशी वाली मूर्ति है जो स्वर्ग से धरती पर गंगा नदी के उतरने के कथा को पत्थर में दर्शाती है। नंदलाल बोस के हस्ताक्षर चित्र पर दिखाई देते हैं और जमुना सेन का नाम बॉर्डर के बाएं निचले कोने पर दिखाई देता है।

भाग ३ जो मौलिक अधिकारों से संबंधित है, उसमें रामायण का एक दृश्य दिखाया गया है। इस पृष्ठ के बॉर्डर पर जमुना सेन के हस्ताक्षर हैं। भाग ४ जो राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांतों से संबंधित है, उसमें महाभारत का एक दृश्य दिखाया गया है। बानी पटेल और नंदलाल बोस के नाम दाईं ओर नीचे दिए गए चित्रण पर दिखाई देते हैं और विनायक शिवामर मसोजी का नाम बॉर्डर के बाएं कोने पर दिखाई देता है।

संविधान का भाग ७ ‘पहली अनुसूची के भाग बी में शामिल राज्यों’ से संबंधित है। इस खंड की शुरुआत में दिए गए चित्रण में सम्राट अशोक द्वारा बौद्ध धर्म के प्रसार को दर्शाया गया है। उन्हें हाथी पर सवार दिखाया गया है, जो सभी तरह के साज-सज्जा से सुसज्जित है और बौद्ध भिक्षुओं से घिरा हुआ है। यह चित्रण अर्जन्ता की शैली में है, जिसमें भिक्षुओं को शरीर के ऊपरी हिस्से को बिना वस्त्रों और आभूषणों के साथ दिखाया गया है। यह चित्रण नंदलाल बोस द्वारा किया गया था, जिनका काम अर्जन्ता भित्तिचित्रों में पाई जाने वाली कलात्मक परंपराओं से बहुत प्रभावित था। चित्रण के निचले बाएं भाग पर ए. पेरुमल का नाम भी दिखाई देता है। बॉर्डर डिजाइन में ब्योहर राममनोहर सिन्हा के हस्ताक्षर हैं, जिन्होंने प्रस्तावना और कई अन्य पृष्ठों को भी डिजाइन किया था। यहाँ उन्होंने हिंदी में राममनोहर के रूप में हस्ताक्षर किए हैं। यह संविधान के उन कुछ पन्नों में से शेरक है, जिस पर नंदलाल बोस और उनके सबसे वरिष्ठ छात्र ब्योहर राममनोहर सिन्हा दोनों के नाम हैं।

जापानी कंपनियां भारत में सेमीकंडक्टर

जापानी कंपनियां भारत में सेमीकंडक्टर इकाइयां स्थापित करने के लिए उत्सुक हैं, जिससे विशेषज्ञता और विशेषज्ञता प्राप्त हो सके: डेलॉइट। अब, यह राज्यों पर निर्भर है कि वे इस अवसर का लाभ उठाएं। अभी तक गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र, तमिलनाडु, असम और यूपी जैसे कुछ ही राज्य इस मामले में आगे हैं। बाकी हमेशा की तरह सो रहे हैं। – **नवीन शंकर शर्मा**

बदल गया परिधान पुराना तन पर

बदल गया परिधान पुराना, तन पर श्वेतल सारी है। शीश मुकुट भी साज़ रहा अब,जूँ देवी अवतारी है। दिव्य दृष्टि भी पा कर अब तो, देखेंगे वो गलत सही। राग महल में धृत राष्ट्र संग, आज नहीं गांधारी है।। किसने बांधी थी आंखों पर, पट्टी इक कानून के। देख न पाई संविधान पर , धब्बे पड़े जो खून के।। जाने कब वो भूल गई थी, अपने हाथों की किताब, उठा खड़ी तलवार हाथ में, करती न्याय परचून के।। आंखों की पट्टी खोलें फिर, लिखे व्यवस्था एक नई। संविधान को पढ़कर कर दें, देवी करना न्याय कई। ध्यान रहे अब फंसे न बेगुनाह, गुनहगार भी बचे नहीं, अब रहना चैतन्य सदा ही ,बने नहीं कानून रई।। – **रजनी रामदेव**

कब भला रूह से ये हमारे हुए

कब भला रूह से ये हमारे हुए टूटकर सारे रिश्ते किनारे हुए वो मसलकर सभी खुवाब चलता बना आँख में जिनको हम थे सवारे हुए याद उसको भी आती रही है मगर वो अना में रहा खुद को हारे हुए बस गज़ल,गीत में ज़ि़क्र करते रही चांद किसका हुआ कब सितारे हुए बिन तेरे ज़िन्दगी है अजाबों सी बस की रहे हैं फ़क़त खुद को मारे हुए.

– **मित्र गाज़ियाबादी**

शब्द सागर

शब्द सामर्थ्य	(भागवत साहू)
बाएं से दाएं : 1. अनुचित, असत्य, जो ठीक न हो 3. बेवजह, बिनाकारण, व्यर्थ 4. हल्कीनौद, चकमा, धोखा 6. शककर पानी आदि का मीठा घोल 10. सोते से उठाना, सावधान 14. प्रदीप्त करना 1१. चरमसीमा, रंग का, मटमैला ५. चला आता हुआ 1५. विपत्तिग्रस्त, दुखी, अभाग 1६. करुणा, प्रदीप्त करना 1७. चरमसीमा, रंग का, मटमैला ५. चला आता हुआ 2०. करीब, नजदीक, समीप २१. हुआ, विराजित १६. नृत्य १७. निशाचर, रात में बिचरण करने	मुतप्राय, मृत्यु के करीब १९. जल, अम्बु २२. उपहार, भेंट २३. खबर, संदेश। ४. गणपतिजी, २. मांगनेवाला, पाने की इच्छा करने वाला ३. मिट्टी के ब्राम्र प्रथा, प्रणाली, रीति-रिवाज, २०. करीब, नजदीक, समीप २१. सुबह, प्रातः, सबेरा।
ऊपर से नीचे १. गणपतिजी, २. मांगनेवाला, पाने की इच्छा करने वाला ३. मिट्टी के ब्राम्र प्रथा, प्रणाली, रीति-रिवाज, २०. करीब, नजदीक, समीप २१. सुबह, प्रातः, सबेरा।	
शब्द सामर्थ्य क्रमांक २५६ का हल	
१	२
३	४
५	६
७	८
९	१०
११	१२
१३	१४
१५	१६
१७	१८
१९	२०
२१	२२
२३	२४

राजभवन में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ मनाया गया 5 राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों का स्थापना दिवस

सांस्कृतिक विविधता हमें समृद्ध और शक्तिशाली बनाती है : राज्यपाल डेका

रायपुर/ नवप्रदेश। राजभवन में 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रम के तहत छत्तीसगढ़ सहित 05 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों का स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि सांस्कृतिक विविधता हमें समृद्ध और शक्तिशाली बनाती है।

राजभवन में राज्यपाल डेका ने मुख्य आतिथ्य में भारत के राज्यों क्रमशः छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, पंजाब, हरियाणा और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ का स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर शुरू की गई केन्द्र सरकार के 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रम के तहत विविधता में एकता की भावना को बढ़ावा देने के लिए सभी राज्य एक-दूसरे राज्यों का स्थापना दिवस मना रहे हैं। इसी कड़ी में राजभवन में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया था। जिसमें छत्तीसगढ़ में निवास करने वाले इन राज्यों के लोगों ने उत्साह के साथ भाग लिया।

कार्यक्रम में राज्यपाल डेका ने कहा कि 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रम का उद्देश्य केवल सांस्कृतिक आदान-प्रदान तक सीमित नहीं है। यह कार्यक्रम हमारे देश के विभिन्न राज्यों में बसे निवासियों को एक सूत्र में पिरोने का अद्भुत प्रयास है, जिससे भारत की एकता



और अखंडता और अधिक मजबूत होगी।

डेका ने कहा कि हर राज्य का स्थापना दिवस उस राज्य के इतिहास में और विकास की यात्रा का महत्वपूर्ण दिन होता है। राज्य की समृद्धि और विकास का गवाह यह दिन, हमें अपने राज्य की स्थापना के मूल उद्देश्यों को सफ़लतापूर्वक पूरा करने और लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने का रास्ता दिखाता है।

डेका ने सभी राज्यों की विशिष्टताओं का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ का प्राकृतिक वातावरण और भौगोलिक स्थिति अद्भुत है। यहां पर्यटन की बहुत संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि असम और छत्तीसगढ़ राज्य के बीच पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए प्रयास किया जायेगा। उन्होंने छत्तीसगढ़ के चावल की धी प्रशंसा की। आजादी की लड़ाई में मध्यप्रदेश

की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हुए, वहां के वीर सेनानियों को याद किया। पंजाब राज्य के लोगों की दान शीलता का जिक्र किया। पंजाब का इतिहास बलिदानों से भरा हुआ जिस पर हर देशवासी को गर्व है। पंजाब और हरियाणा राज्य ने हरित क्रांति के माध्यम से देश को एक नई ऊर्जा दी। डेका ने कहा कि इन सभी राज्यों ने भारत के विकास में अपना

अभूतपूर्व योगदान दिया है। चाहे वह कृषि का क्षेत्र हो, उद्योग, कला खेलकूद, शिक्षा या पर्यटन का क्षेत्र हो, सभी क्षेत्रों में, इन राज्यों का योगदान सराहनीय है। हम सब को मिलकर अपने राज्यों को न केवल आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है बल्कि सांस्कृतिक समृद्धि, सामाजिक सद्भाव और आपसी भाईचारे का भी ध्यान रखना है। कार्यक्रम में विभिन्न विश्वविद्यालयों के छात्र-

छात्राओं ने सभी राज्यों की संस्कृति एवं लोक परंपरा आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रंगारंग प्रस्तुति दी। छत्तीसगढ़ का लोक-नृत्य सुआ, सरहुल नृत्य, गेड़ी नृत्य, नाचा, पंजाब का भांगड़ा, गिद्धा, हरियाणा का घूमर तथा मध्यप्रदेश की जनजातियों के राई नृत्य ने अतिथियों का मन मोह लिया। विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों को राज्यपाल ने राजकीय गमछा और स्मृति चिन्ह भेंट किया। उन्होंने भी राज्यपाल को अपने राज्य की ओर से स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। पंजाब के प्रतिनिधियों ने डेका को सर्रोपा भेंट किया।

छत्तीसगढ़ के प्रतिनिधि के रूप में पद्मअनुज शर्मा, मध्यप्रदेश के आकाश दीप गुप्ता, पंजाब के प्रतिनिधि दलजीत चावला, हरियाणा के प्रतिनिधि अमित अग्रवाल को राज्यपाल ने सम्मानित किया। कार्यक्रम में राज्यपाल के सचिव यशवंत कुमार, विधिक सलाहकार भीष्म प्रसाद पाण्डेय, संयुक्त सचिव श्रीमती हिना अनिमेष नेताम एवं इन सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के छत्तीसगढ़ में निवासरत, युवा, महिलाएं एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

■ न्यूज गैलरी 'ऋचा' की गोष्ठी



रायपुर/नवप्रदेश।साहित्यिक और सांस्कृतिक संस्था 'ऋचा' की नवंबर माह की गोष्ठी ऋचा की अध्यक्ष डॉ मंजुलाहर्ष श्रीवास्तव मंजुल के निवास पर आयोजित की गई। सर्वप्रथम माँ शारदे व स्व शांति यदु के छायाचित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का आगाज हुआ,बीणापाणि की वंदना डॉ चितरंजन कर ने प्रस्तुत की , संगीत और साहित्य का चोली दामन का साथ है,ये कहावत आज की गोष्ठी में चरितार्थ हुई । ईरा पंत के सुमधुर संचालन ने समा बांध दिया ,धर्मेन्द्र रावल,डॉ चितरंजन कर, डॉ अवस्थी की संगीत लहरी गुनगुनी धूप, और ऊंचे उंचे दरखों से आच्छादित सुरम्य बगीचे में बेहद उल्लसपूर्ण माहौल में सानंद संपन्न हुई। सुरेंद्र रावल ,डाक्टर चितरंजन कर ,के पी सक्सेना ,ब्रिगेडियर प्रदीप यदु, मंजु यदु, डॉ सुरेश तिवार , दिलीप चरवंडकर ,डाक्टर जे के डारण ,आशा मानव ,साधना सक्सेना ,माधुरी कर ,चंद्रकांता अग्रवाल ,मधु सक्सेना,सीमा श्रीवास्तव, किरण वैद्य,प्रज्ञा त्रिवेदी,डाक्टर साधना कसार ,अंजु यदु मीना शर्मा,इरा पंत,विशिष्ट अतिथि डाक्टर विवेक अवस्थी,धर्मेन्द्र रावल और स्वयं मंजुला श्रीवास्तव, हर्ष श्रीवास्तव जी सपरिवार उपस्थित थे।पिछले माह हुई गोष्ठी की रिपोर्टिंग मीना शर्मा द्वारा पढ़ी गई तथा ब्रिगेडियर प्रदीप यदु ने आभार प्रकट कर कार्यक्रम समापनकी घोषणा की।

महादेवघाट एनीकट परिक्षेत्र के कार्यों के लिए 18 करोड़ स्वीकृत

रायपुर/नवप्रदेश।छत्तीसगढ़ शासन द्वारा रायपुर जिले के विकासखंड धरसीवा के अंतर्गत महादेवघाट एनीकट परिक्षेत्र का सुरक्षा विकास एवं सौन्दर्यकरण कार्य के लिए 18 करोड़ 15 लाख 47 हजार रुपये स्वीकृत किये गये हैं। जल संसाधन विभाग मंत्रालय महानदी भाव से एनीकट के कार्य के लिए मुख्य अभियंता महानदी परियोजना जल संसाधन विभाग रायपुर को प्रशासकीय स्वीकृति जारी कर एजेसी बनाई गई है।

अपूर्व डेगन की शॉर्ट फिल्म फैमिली बॉय, इंस्टेंट लोन हंगामा ओटीटी पर



रायपुर/नवप्रदेश। अपूर्व डेगन एक प्रतिभाशाली और मेहनती कलाकार हैं, जो अपने अलग अंदाज और मंझे हुए अभिनय के लिए जाने जाते हैं। उनका पारिवारिक बैकग्राउंड डॉक्टरों का है, लेकिन उन्होंने अपने सपनों को साकार करने अभिनय कि दुनिया में कदम रखा है। अपूर्व के लिए कला सिर्फ एक काम नहीं, बल्कि एक जुनून है। उनकी दो लघु फिल्में, इंस्टेंट लोन और फैमिली बॉय, 4 और 5 दिसंबर 2024 को, ओटीटी प्लेटफार्म हंगामा पर रिलीज हो गई है, जो उनकी अभिनय यात्रा के लिए एक नया मोड़ है। ये कहानियां ना सिर्फ मनोरंजन प्रदान करती हैं,बल्कि सामाजिक संदेश भी देती हैं। अपूर्व डेगन का रायपुर छत्तीसगढ़ में रहना होता है उनके परिवार में सभी डॉक्टर हैं पर अपूर्व बायोलाॉजी में पढ़ाई करें और विदेश में मेडिकल के कॉलेज में एडमिशन मिला पर उन्होंने, एक्टिंग फील्ड चुना, पहले एग्एफटी रायपुर से एक्टिंग की पढ़ाई की फिर अपने दोस्तों के साथ मिल कर एक शॉर्ट फिल्म बनाना चालू किया जहां उनको साई आसरा फिल्म एंटरटेनमेंट नाम का यूट्यूब चैनल चालू किया जिसमें शॉर्ट फिल्म बनाके अपलोड किया अनहोनी बहुत सी शॉर्ट फिल्म में अवॉर्ड जीता फिर मुंबई की तरफरूख किया।

भूपेश के वेतन वाले तंज से क्षुब्ध झा ने एक्स पर लिखी पोस्ट में पढ़ाया नैतिकता का पाठ

रायपुर/नवप्रदेश। पूर्व सीएम भूपेश द्वारा विष्णुदेव साय के मीडिया सलाहकार पंकज झा को वेतनभोगी कहने पर बुधवार को झा अपने दिवटर अकाउंट पर भूपेश को नैतिकता से लेकर जीवन से जुड़े हर बिंदु के साथ राजनीति का ककहरा का पाठ पढ़ाया। उन्होंने लिखा।

भूपेश जी, एक नागरिक की हैसियत से यह पत्र आपकी सेवा में प्रस्तुत है। इस पत्र के माध्यम से मैंने आपके द्वारा मेरे विरुद्ध प्रेस वार्ता में उठाए सवाल का जवाब देने की विनम्र कोशिश की है।

आपको 'जनादेश दिवस' की विलंबित बढ़ाई। आशा है अब आप सानंद होंगे। उम्मीद है अब आपका गुस्सा भी थोड़ा ठंडा हुआ होगा। आपके अहं को ठेस पहुंचाने के लिए मैं जरा भी शर्मिदा तो नहीं हूँ, पर आपको हुई तकलीफ के लिए थोड़ा बुरा महसूस कर रहा हूँ। दुःख इस बात का हुआ है कि 'जनादेश दिवस' की पूर्व संध्या पर आपको एक 'वेतन पर पलने वाले' के विरुद्ध प्रेस वार्ता आयोजित करनी पड़ी।

साल भर पहले तक अजीमो शान शहंशाह स्वयं को समझ लेने वाले व्यक्ति की अगर यह दुर्गति हो गयी कि उसे मेरे जैसे वेतनभोगी के

मूंह लगना पड़ जाय, तो पराजय की बरसी के अवसर पर यह आपके लिए दुगुना पीड़ा का विषय है। आपके स्वस्थ और सुदीर्घ जीवन की कामना करता हूँ। महतारी वंदन की किस्त जारी हो चुकी है। आशा है विधायक के रूप में मिलने वाला आपका वेतन भी आपके खते में



पहुंच गया होगा। सलाहकार वाला वेतन मेरा भी आ ही गया है, जिस पर मुझे अगले माह तक 'पलना' होगा, बहरहाल। जानते हैं भूपेशजी? हम भारत के (निम्न मध्यवर्गीय) लोग निस्संदेह वेतन पर पलते हैं। हमारे जैसे करोड़ों लोगों को इसलिए वेतन पर पलना होता है, क्योंकि हम किसी गायकवाड़ या महाराज दरभंगा के वंशज नहीं होते हैं। जितना आपके बारे में रिसर्च करना पड़ा है हमें, उसके अनुसार आप भी किसी अकबर या निजाम हैदराबाद की विरासत के उत्तराधिकारी रहे हों, ऐसा नहीं

है। तो ऐसे में आपके पास भी या तो वेतन पर, या कमीशन पर पलने का ही विकल्प होगा, विशेषकर अगर अलग कोई व्यवसाय नहीं हो तो। हमने वेतन वाला विकल्प चुना हुआ है। आपने क्या-क्या विकल्प चुना है 'पलने के लिए' इसके बारे में कयास लगाने का कोई मतलब नहीं है। सम्बंधित एजेंसियां बकायदा यह जांच कर ही रही होंगी। लेकिन यह तय है कि भाजपा की पुरानी सरकार द्वारा धान खरीदी की, की गयी पुख्ता व्यवस्था से पहले वेतन-कमीशन के अलावा आपके पास भी पलने का कोई और माध्यम नहीं रहा होगा। अतः

आग्रह है कि वेतन पर पलने वालों को इस तरह हिकारत से कृपा नहीं देंछें। यह छत्तीसगढ़ के लाखों शासकीय-अशासकीय कर्मचारियों समेत भारत के करोड़ों वेतनभोगियों का अपमान है। देश-प्रदेश के तमाम वेतनभोगी 'पक्के में' काम करते हैं और ये समूह सबसे अधिक आयकर चुकाकर देश की प्रगति में अपना योगदान देते हैं। सो, मुझे जो कहना हो कहिए, वेतनभोगी जमात आपसे अधिक सम्मान का अधिकारी है। आशा है आगे आप इसका ध्यान रखें।

आपके प्रेस वार्ता का वीडियो बार-बार

बस्तर संभाग में गरज-चमक के साथ हल्की बारिश के आसार



रायपुर/नवप्रदेश। अगले 3 दिनों में बस्तर संभाग के तीन जिलों में बादल रहेगे और गरज-चमक के साथ हल्की बारिश हो सकती है। अगले 3-4 दिनों में रात का अरब सागर में तूफान फेंगल अब कमजोर तापमान लगातार कम होगा, जिससे कई जगहों पर कड़कें की ठंड महसूस हो सकती है। दिसंबर के दूसरे हफ्ते में राजधानी और प्रदेश के कई जिलों में ठंड बढ़ने लगेगी। बात करें राजधानी रायपुर की तो यहां हल्के बादल छाए रहेंगे। इस बीच

धूप-छांव रहेगी। दिन का तापमान 31 डिग्री सेल्सियस जा सकता है। रात का तापमान हल्का गिर सकता है। बता दें कि अरब सागर में तूफान फेंगल अब कमजोर हो चुका है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक अगले दो दिनों तक न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है। उत्तर भारत में लगातार ठंड बढ़ रही है, लेकिन दक्षिण भारत में इसका असर कम है। दक्षिण-पूर्वी राज्यों में बारिश हो रही है।

हर घर नल से जल... हजारों परिवारों को मिली बड़ी राहत

कोरिया के 13 गांवों में पहुंचा साफ पानी

रायपुर/नवप्रदेश। पानी जीवन का आधार है, पानी की कमी से जुझते ग्रामीण जल जीवन मिशन के तहत हर घर नल-हर घर जल के माध्यम से अब राहत की सांस ले रहे हैं। राज्य सरकार की जल जीवन मिशन योजना ने कोरिया जिले के हजारों घरों में स्वच्छ पेयजल पहुंचने लगा है। इससे ग्रामीणों की दिनचर्या में बड़ा बदलाव आया है।

सपना हुआ साकार: सुंदरी की मुस्कान में छलकी खुशी

सोनहत विकासखंड के पोड़ी ग्राम पंचायत के श्रीमती सुंदरी के लिए यह योजना किसी वरदान से कम नहीं। पहले उन्हें दूरदराज के कुओं और तालाबों से पानी लाना पड़ता



था, जिससे न केवल समय, बल्कि मेहनत भी बहुत लगती थी। लेकिन अब घर में लगे नल से

लाने की चिंता नहीं करनी पड़ती। यह सरकार का बड़ा उपहार है।

किचकिच से मुक्ति: मानसिंह का बदला जीवन

ग्राम कछवाखोह के मानसिंह बताते हैं कि उनके लिए घर में नल लगने का सपना कभी हकीकत नहीं लग रहा था। पानी की किल्लत और आपसी झगड़ों ने उनके जीवन को कठिन बना रखा था। लेकिन जल जीवन मिशन के तहत उनके घर तक नल कनेक्शन पहुंचा, और अब पानी की किचकिच से छुटकारा मिल गया है। मानसिंह बाबुल होकर कहते हैं, प्यह हमारे लिए किसी चमत्कार से कम नहीं। यह योजना न केवल जल संकट से राहत दिला रही है, बल्कि



भरे काम से तंग आकर यशोदा ने दूसरे पेशे आजमाने का फैसला किया। जब उसे छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य संत्रिमाण कर्मकार कल्याण मंडल के अंतर्गत मुख्यमंत्री सिलाई मशीन

सहायता योजना के बारे में पता चला, तो उसने तुरंत आवेदन कर दिया।

इस योजना ने यशोदा को बेहतर वेतन वाले घर-आधारित काम में बदलाव के लिए संसाधनों और सहायता तक पहुँच प्रदान की। यशोदा अब 4000 रुपये प्रति माह कमा पाती है, जो उसकी आय से थोड़ा ज्यादा है। आय पहले की तुलना में बहुत कम थी। जीवन अभी भी कठिन है क्योंकि हम दो कमरों वाले किराए के घर में रहते हैं जिसका किराया 4000 रुपये प्रति माह है, जिससे बहुत कम बचत होती है। उसने कहा। लेकिन यह एक नई शुरुआत है और यशोदा को दर्जी के रूप में अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने की उम्मीद है। यशोदा की कहानी इस बात पर प्रकाश डालती है कि कैसे कार्यात्मक सामाजिक सुरक्षा प्रणालियाँ कवरेज में अंतर को पाट सकती हैं और कमजोर आबादी की जरूरतों को पूरा कर सकती हैं। हालाँकि, सामाजिक सुरक्षा के अंतर्निहित सिद्धांत हमेशा समावेशिता और लैंगिक जवाबदेही पर आधारित होने चाहिए। खासकर सबसे हाशिए पर पड़े लोगों के लिए।

कोपल पब्लिक स्कूल के बच्चों का पिकनिक भ्रमण



अमलेश्वर/दुर्ग/नवप्रदेश। कोपल पब्लिक स्कूल अमलेश्वर के बच्चों को वार्षिक पिकनिक भ्रमण कराया गया। 30 नवंबर का विद्यार्थियों का बिलासपुर स्थित रतनपुर में मां महामाया का दर्शन कराया गया तपश्चात मंदिर का संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। इसके अलावा उन्हें खुटाघाट डेम तथा बादल महल का दर्शन कराया गया और इन्की ऐतिहासिक एवं पौराणिक जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम में स्कूल के बच्चों सहित स्कूल का स्टाफ भी मौजूद था।



न्यूज गैलरी

आईसीआईसीआई बैंक के तीन दफ्तरों की ली तलाशी



नई दिल्ली। आईसीआईसीआई बैंक ने स्टॉक एक्सचेंजों की दी गई जानकारी में कहा कि 4 दिसंबर, 2024 से कार्यवाही जारी है और बैंक अनुरोध के अनुसार डेटा उपलब्ध कराने में पूरा सहयोग कर रहा है।

गुजरात सरकार ने दिया नए साल का तोहफा! महंगाई भत्ते में की 3 प्रतिशत की वृद्धि



नई दिल्ली। वित्त विभाग ने गुजरात राज्य सेवा (वेतन संशोधन) नियम 2016 के तहत मूल वेतन के मौजूदा 50 प्रतिशत से 53 प्रतिशत तक डीए बढ़ाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। सरकार के इस फैसले से नौ लाख से अधिक कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को लाभ होगा। गुजरात सरकार ने बुधवार को अपने करीब नौ लाख कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के महंगाई भत्ते (डीए) में 3 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। यह निर्णय 1 जुलाई 2024 से रूप से लागू होगा। वित्त विभाग ने गुजरात राज्य सेवा (वेतन संशोधन) नियम 2016 के तहत मूल वेतन के मौजूदा 50 प्रतिशत से 53 प्रतिशत तक डीए बढ़ाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। सरकार के इस फैसले से नौ लाख से अधिक कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को लाभ होगा। सरकार की ओर से जारी बयान में बताया गया है कि, जुलाई से नवंबर की अवधि के लिए बकाया राशि दिसंबर के वेतन और पेंशन के साथ जनवरी 2025 में वितरित की जाएगी। सातवें वेतन आयोग के तहत आने वाले सभी राज्य सरकार और पंचायत कर्मचारी, माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारी और सहायता प्राप्त गैर-सरकारी स्कूलों के कर्मचारी इस बढ़ोतरी से लाभान्वित होंगे। उचित संशोधनों के साथ, यह लाभ प्रार्थमिक शिक्षकों और पंचायतों में प्रतिनियुक्त या स्थानांतरण पर कार्यरत कर्मचारियों को भी मिलेगा। जिन्हें आयोग के अनुसार वेतन संशोधन के लिए मंजूरी दी गई है। प्रस्ताव में कहा गया है कि, राज्य सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को 1 जुलाई 2024 से मौजूदा 50 प्रतिशत की दर से 3 प्रतिशत बढ़ाकर 53 प्रतिशत करने का मामला सरकार के विचाराधीन था।

कारोबार

बिटकॉइन की कीमतों में रिकॉर्ड उछाल

ट्रंप की जीत का कमाल, एक लाख डॉलर के पार पहुंचा आंकड़ा

वॉशिंगटन। बिटकॉइन की कीमतों में आए दिन तेजी देखने को मिल रही है। यह क्रिप्टो करेंसी अपने निवेशकों को शानदार कमाई करा रही है। जिससे बिटकॉइन की मांग बढ़ रही है। आने वाले दिनों में बिटकॉइन में और अधिक तेजी आने की उम्मीद है। क्रिप्टो करेंसी बिटकॉइन की कीमतों में रिकॉर्ड तेजी देखने को मिल रही है। बिटकॉइन की कीमत एक लाख डॉलर के पार पहुंच गई है। गुरुवार को बिटकॉइन की कीमत में 5.9 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई और यह 1,01,438.9 डॉलर प्रति बिटकॉइन के स्तर पर पहुंच गई है। दरअसल अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की जीत के चलते निवेशक क्रिप्टो करेंसी में निवेश को लेकर खासे उत्साहित हैं। यही वजह है कि बिटकॉइन की कीमतों में उछाल देखने को मिल रहा है। डोनाल्ड ट्रंप को क्रिप्टो करेंसी समर्थक माना जाता है। ऐसे में



निवेशकों को उम्मीद है कि ट्रंप सरकार में क्रिप्टो के लिहाज से बेहतर रेगुलेट्री माहौल बन सकता है। गौरतलब है कि ट्रंप ने अपनी सरकार में पॉल एटकिंस को सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमिशन का अध्यक्ष नियुक्त करने

का फैसला किया है। एटकिंस को क्रिप्टो करेंसी का बड़ा समर्थक माना जाता है। ये भी एक वजह है कि पॉल एटकिंस की नियुक्ति से क्रिप्टो बाजार उत्साहित है और निवेशकों को उम्मीद है कि अमेरिका में क्रिप्टो करेंसी से

संबंधित रेगुलेशन कुछ आसान और बेहतर बनाया जाएगा। ट्रंप क्रिप्टो एडवाइजरी काउंसिल गठन के प्रस्ताव पर भी विचार कर सकते हैं। यह काउंसिल अमेरिका में क्रिप्टो करेंसी संबंधित नीतियों को आकार देगी। ट्रंप

खुद इस क्षेत्र में रुचि रखते हैं। इस साल की शुरुआत में अमेरिका में बिटकॉइन एक्सचेंज ट्रेडेड फंड को मंजूरी दी गई है, उसके बाद भी बिटकॉइन की कीमतों में उछाल देखा जा रहा है। अमेरिकी चुनाव के बाद से ही इस बिटकॉइन एक्सचेंज ट्रेडेड फंड में करीब चार अरब डॉलर का निवेश हो चुका है। बिटकॉइन की कीमतों में आए दिन तेजी देखने को मिल रही है। यह क्रिप्टो करेंसी अपने निवेशकों को शानदार कमाई करा रही है। जिससे बिटकॉइन की मांग बढ़ रही है। आने वाले दिनों में बिटकॉइन में और अधिक तेजी आने की उम्मीद है। फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पावेल ने भी बिटकॉइन की तुलना सोने से की है, जिससे भी बिटकॉइन की मांग बढ़ी है। नवंबर 2024 से अब तक बिटकॉइन की कीमत में लगभग 140% की वृद्धि हुई है।

पिछले कारोबारी दिन भाव 78,600 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था

कमजोर मांग व वैश्विक संकेतों के कारण सोना 79,000 रुपये प्रति 10 ग्राम से नीचे

नई दिल्ली। कमजोर वैश्विक रुख के बीच स्टॉकिस्टों और खुदरा विक्रेताओं की कमजोर खरीदारी के कारण दिल्ली में सोने की कीमत 79,000 रुपये प्रति 10 किलोग्राम से नीचे आ गई। 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 150 रुपये गिरकर 78,850 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया। वहीं, चांदी 100 रुपये बढ़कर 92,500 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। अखिल भारतीय सराफा संघ के अनुसार कमजोर वैश्विक रुख के बीच स्टॉकिस्टों और खुदरा विक्रेताओं की कमजोर खरीदारी के कारण दिल्ली में सोने की कीमत 79,000 रुपये प्रति 10 किलोग्राम से नीचे आ गई। 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 150 रुपये गिरकर 78,850 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया। पिछले सत्र में यह 79,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत में लगातार तीसरे दिन गिरावट देखी गई और यह 150 रुपये घटकर 78,450 रुपये प्रति 10 ग्राम



रह गया। पिछले कारोबारी दिन इसका भाव 78,600 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। हालांकि, चांदी 100 रुपये बढ़कर 92,500 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। मंगलवार को चांदी 92,400 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर वायदा कारोबार में फरवरी डिलीवरी वाले

सोने के अनुबंध की कीमत 93 रुपये अथवा 0.12 प्रतिशत की गिरावट के साथ 76,810 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गयी। मार्च डिलीवरी वाले चांदी अनुबंध की कीमत 322 रुपये अथवा 0.35 प्रतिशत की गिरावट के साथ 91,875 रुपये प्रति किलोग्राम रह गयी। एशियाई बाजार में कॉमेक्स सोना वायदा 4.90 डॉलर प्रति औंस या 0.18 प्रतिशत की गिरावट के साथ

2,663 डॉलर प्रति औंस पर आ गया। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के कमोडिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक सौमिल गांधी ने कहा, "बुधवार को सोने में स्थिरता रही, क्योंकि व्यापारी हालिया राजनीतिक घटनाक्रमों और मौद्रिक दृष्टिकोण का अकलन करते रहे, जबकि आने वाले सप्ताह में अमेरिका में प्रमुख आर्थिक आंकड़ों के जारी होने का इंतजार कर रहे थे। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के कमोडिटी रिसर्च के विश्लेषक मानव मोदी के अनुसार, मंगलवार के सत्र में बढ़त के बाद सोने की कीमतों में स्थिरता रही, एक ओर मजबूत अमेरिकी नौकरियों के आंकड़ों ने ब्याज दरों में कटौती के प्रति सतर्क रुख का संकेत दिया, वहीं कमजोर डॉलर और ट्रेजरी यील्ड में कमी ने नुकसान को सीमित कर दिया, क्योंकि बाजार आगे के आर्थिक संकेतों का इंतजार कर रहा है।

जरूरतमंदों के लिए जीवन रेखा

एचडीएफसी बैंक का 16वां वार्षिक रक्तदान अभियान 6 दिसंबर को

मुंबई। भारत का अग्रणी निजी क्षेत्र का बैंक एचडीएफसी बैंक अपनी प्रमुख सीएसआर पहल, परिवर्तन के तहत अपने राष्ट्रव्यापी रक्तदान अभियान के 16वें संस्करण के आयोजन करने जा रहा है। 6 दिसंबर, 2024 को सुबह 9-30 बजे से शाम 5-30 बजे तक चलने वाला यह अभियान भारत भर के 1100 से अधिक शहरों में चलाया जाएगा। इस साल, एचडीएफसी बैंक को पिछले साल की तुलना में अधिक भागीदारी की उम्मीद है और इस रक्त अभियान के तहत 6 लाख यूनिट से अधिक रक्त एकत्र करने की उम्मीद है। इस साल, एचडीएफसी बैंक को पिछले साल की तुलना में अधिक भागीदारी की उम्मीद है और इस रक्त अभियान के तहत 6 लाख यूनिट से अधिक रक्त एकत्र करने की उम्मीद है। प्रतिभागियों में एचडीएफसी बैंक के कर्मचारी, ग्राहक, कॉर्पोरेट, रक्षा बलों के सदस्य, छात्र और सामान्य समुदाय के सदस्य शामिल होंगे। यह पहल समुदाय कल्याण के लिए बैंक की प्रतिबद्धता पर जोर देती है और भारत की रक्त आपूर्ति चुनौतियों का समाधान करने में महत्वपूर्ण भूमिका

निभाती है। एचडीएफसी बैंक के उप प्रबंध निदेशक श्री कैजाद भरुचा ने कहा, "एचडीएफसी बैंक में, हम समुदाय द्वारा संचालित पहलों को परिवर्तनकारी शक्ति में दृढ़ता से विश्वास करते हैं। हमारे 16वें अखिल भारतीय रक्तदान अभियान के माध्यम से, हमारा उद्देश्य नागरिकों को समाज में सार्थक योगदान देने के लिए एक मंच प्रदान करना है। दान किए गए रक्त की हर बूंद में जान बचाने की क्षमता होती है, और हम देने और जिम्मेदारी की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। रक्तदान केवल उदारता का कार्य नहीं है - यह जरूरतमंद लोगों के लिए जीवन रेखा है। एचडीएफसी बैंक के पिछले 16 वर्षों में तेजी से बढ़ा है। उनका समर्पण एक मजबूत, स्वस्थ समुदाय के निर्माण के लिए हमारी प्रतिबद्धता का उदाहरण है। हर बूंद मायने रखती है, और साथ मिलकर हम जान बचा सकते हैं।"

भर्ती: कैंपस प्लेसमेंट में मिल रहा एक करोड़ का ऑफर

दिल्ली। कैंपस के अधिकारियों ने कहा, कंपनियों के आने की संख्या बढ़ी है और बड़ी संख्या में नियुक्ति भी कर रही हैं। इनमें से कुछ स्टार्टअप 16-18 लाख रुपये, कार्स24 लगभग 26 लाख, मीशो 35 से 50 लाख, मित्रा 30 लाख रुपये व फोनपे लगभग 34 लाख सालाना का ऑफर दे रही है। स्टार्टअप और ई-कॉमर्स कंपनियों ने आईआईटी और देश के शीर्ष इंजीनियरिंग कॉलेजों में इस सीजन की भर्तियां शुरू कर दी हैं। कॉलेज कैंपस में पहुंच रहीं ये कंपनियां सालाना 8 लाख से लेकर एक करोड़ रुपये से अधिक तक का ऑफर दे रही हैं। इनमें मुख्य रूप से मीशो, फोनपे और मित्रा जैसे स्टार्टअप शामिल हैं। कैंपस प्लेसमेंट में जो कंपनियां इस समय जा रही हैं, उनमें जैमेटो, फिलचकार्ट, ओला, गेम्सक्राफ्ट, हार्डलैक्स, क्रिकसेल, इंडस इनसाइट्स, गो, विंजो, कार्स24 और



नेब्रोकर आदि हैं। ये कंपनियां नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, बिट्स पिलानी, बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ कैंपस और आईआईटी में कैंपस प्लेसमेंट के लिए जा रही हैं। कैंपस के अधिकारियों ने कहा, कंपनियों के आने की संख्या बढ़ी है और बड़ी संख्या में नियुक्ति भी कर रही हैं। आईआईटी में रविवार को प्लेसमेंट शुरू हुआ। इनमें से कुछ स्टार्टअप 16-18 लाख रुपये, कार्स24 लगभग 26 लाख, मीशो 35 से 50 लाख, मित्रा 30 लाख रुपये व फोनपे लगभग 34 लाख सालाना का ऑफर दे रही है। ये स्टार्टअप

पैकेजों में ज्वाइनिंग बोनस, वेरिफेबल पे, ट्रांसफर भत्ते व स्टॉक ऑप्शन भी दे रहे हैं। महत्वाकांक्षी विकास योजनाओं और धन उगाहने की संभावनाओं को देखते हुए स्टार्टअप के कारोबार में तेजी है। कुछ अधिकारियों ने कहा, करियर की शुरुआत में प्रतिभा में निवेश करके निरंतर वृद्धि व सफलता को बढ़ाना है। सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, डाटा साइंस, प्रोडक्ट एनालिटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग में ज्यादा भर्तियां हो रही हैं। जैमेटो इस वर्ष 400 से अधिक नियुक्तियां करेगी।

बॉयलर अधिनियम को बदलने वाले विधेयक को राज्यसभा की मंजूरी

नई दिल्ली। संसद के ऊपरी सद राज्यसभा ने बुधवार को बॉयलरों के विनियमन, भाप-बॉयलरों के विस्फोट के खतरे से लोगों की जान-माल की सुरक्षा और पंजीकरण में एकरूपता के प्रावधान वाले विधेयक को मंजूरी दे दी। बॉयलर्स विधेयक, 2024 का लक्ष्य एक सदी पुराने बॉयलर्स अधिनियम, 1923 को निस्त करना है। राज्यसभा ने बुधवार को बॉयलरों के विनियमन, भाप-बॉयलरों के विस्फोट के खतरे से लोगों की जान-माल की सुरक्षा और पंजीकरण में एकरूपता के प्रावधान वाले विधेयक को मंजूरी दे दी।

जुलाई-सितंबर जीडीपी में हो सकता है संशोधन

नई दिल्ली। मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंथा नागेश्वरन ने गुरुवार को कहा कि दूसरी तिमाही के 5.4 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि अनुमान को आगे चलकर संशोधित किया जा सकता है, क्योंकि वर्तमान अनुमान मौसमी रूप से समायोजित नहीं हैं। मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंथा नागेश्वरन ने गुरुवार को बताया कि अक्टूबर-नवंबर के दौरान कुछ क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों में तेजी आई है और चालू वित्त वर्ष में 6.5-7 प्रतिशत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि संभव है। उन्होंने यह भी कहा कि दूसरी तिमाही के 5.4 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि अनुमान को आगे

चलकर संशोधित किया जा सकता है, क्योंकि वर्तमान अनुमान मौसमी रूप से समायोजित नहीं हैं। नागेश्वरन ने कहा, मुझे नहीं लगता कि इन आंकड़ों पर प्रतिक्रिया करते हुए हमें बच्चे को नहलाने के साथ ही बाहर फेंक देना चाहिए। क्योंकि अंतर्निहित विकास की कहानी अभी भी काफी हद तक बरकरार है। भारत की आर्थिक वृद्धि दर जुलाई-सितंबर तिमाही में घटकर सात तिमाहियों के निम्नतम स्तर 5.4 प्रतिशत पर आ गयी, जबकि अप्रैल-जून तिमाही में यह 6.7 प्रतिशत थी। नागेश्वरन ने कहा कि दूसरी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि में मंदी का



कारण सितंबर में कुछ धार्मिक अनुष्ठान और अत्यधिक मानसूनी वर्षा हो सकती है, तथा यह अन्य दीर्घकालिक मुद्दों के कारण भी हो सकता है, जो उभरने लगे हैं। इसलिए स्पष्टीकरण सामान्य से लेकर अधिक गंभीर

शक्ति में सुधार के लिए योग अनुशासन और आयुर्वेदिक पोषण के समर्थक रहे हैं। बैद्यनाथ के अनुसार, योग और आयुर्वेद बढ़ाने, श्वसन स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं का समर्थन करने, प्रदूषण के कारण होने वाली बीमारियों में मदद करने और रिकवरी में तेजी लाने की क्षमता के लिए जाने जाते हैं, ये सभी पर्वतारोहण जैसी उच्च ऊंचाई वाली चुनौतियों के लिए महत्वपूर्ण हैं। 5 सितंबर, 2024 को सोहन सिंह एक असाधारण अभियान पर निकले और 13 सितंबर, 2024 को एक्वेस्ट बेस कैंप पहुंचे। वहां उन्होंने बिच्छू आसन, मोर आसन, शीर्षासन आसन सहित उन्नत योग पोज करने का विश्व रिकॉर्ड बनाया।

लेन-देन...

ऑफ लाइन लेन-देन करने वालों के लिए खुशखबरी

आरबीआई ने 5000 रुपये तक बढ़ाई यूपीआई लाइट वॉलेट की लिमिट

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को यूपीआई लाइट वॉलेट लिमिट को 5000 रुपये और प्रति लेन-देन की लिमिट 1000 रुपये तक बढ़ा दिया। इसका मकसद मोबाइल फोन के जरिए तत्काल भुगतान की प्रणाली को और अधिक बढ़ावा देना है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को मोबाइल फोन के जरिए भुगतान करने वालों को खुशखबरी दी है। केंद्रीय बैंक ने यूपीआई लाइट वॉलेट लिमिट को 5000 रुपये और प्रति लेन-देन की लिमिट 1000 रुपये तक बढ़ा दिया है।



इस कदम का मकसद मोबाइल फोन के जरिए तत्काल भुगतान की प्रणाली

को और अधिक बढ़ावा देना है। पहले 2000 रुपये थी ऑफलाइन लेन-देन

की अधिकतम सीमा 500 रुपये थी और एक भुगतान उपकरण पर कुल

ऑफलाइन लेन-देन की सीमा 2000 रुपये थी। आरबीआई ने बुधवार को जनवरी 2022 में जारी ऑफलाइन ढांचे में संशोधन किया था, ताकि छोटी राशि के डिजिट भुगतान को ऑफलाइन मोड में सुगम बनाया जा सके। आरबीआई की एक अधिसूचना में कहा गया, यूपीआई लाइट के लिए बढ़ी हुई लिमिट एक हजार रुपये प्रति लेन-देन होगी और कुल लिमिट 5000 रुपये होगी। इस संबंध में घोषणा अक्टूबर 2023 में की गई थी। ऑफलाइन भुगतान में लेन-देन के लिए इंटरनेट की जरूरत नहीं होती।

इंफोसिस, आईसीआईसीआई बैंक और आरआईएल के दम पर सेंसेक्स 1300 अंक चढ़ा

मुंबई। मैं झुकूंगा नहीं सिर्फ तेलुगु सुपरस्टार अल्लु अर्जुन की फिल्म पुष्पा का मशहूर डायलॉग नहीं है, जिसका सीकल गुरुवार को सिनेमाघरों में आया, बल्कि दलाल स्ट्रीट ने भी पिछले कुछ समय की गिरावट से उबरते हुए अब इसी को मूलमंत्र बना लिया है। कमजोर दूसरी तिमाही की आय और उम्मीद से कम दूसरी तिमाही के जीडीपी आंकड़ों के बावजूद तेजड़िए हार मानने से इनकार कर रहे हैं। पिछले 5 कारोबारी दिनों में सेंसेक्स 3,000 से ज्यादा अंक उछलकर 82,000 अंक को पार कर गया है, जबकि निफ्टी 24,800 के स्तर

पर पहुंच गया है। गुरुवार सेंसेक्स 1,300 अंक से अधिक चढ़ा, निफ्टी 24,800 से ऊपर कारोबार करता दिख रहा है। आईटी इंडेक्स रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गए हैं। इससे पहले, शुरुआती कारोबार में तेजी के बाद घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को लाल निशान पर आ गया। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारिक सूचकांक सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 242.54 अंक चढ़कर 81,198.87 पर पहुंचा। हालांकि, फिलहाल यह 100 से ज्यादा अंकों की गिरावट के साथ 80840.44 पर कारोबार कर रहा है।



■ न्यूज गैलरी

अवधपुरी के रहवासियों को जल्द मिलेगा नर्मदा जल : राज्य मंत्री गौर



भोपाल/नवप्रदेश। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा कि अवधपुरी के रहवासियों को जल्द ही नर्मदा जल मिलेगा। श्रीमती गौर ने गुरुवार को अवधपुरी के वार्ड-60 में विकास कार्यों का भूमि- पूजन के अवसर पर यह बात कही। उन्होंने भूमि-पूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि लंबे समय से न्यू फोर्ट एक्सटेशन और जवाहर नगर के रहवासियों को सड़क के निर्माण की दरकार थी, जो आज पूरी होने जा रही है। उन्होंने कहा कि आवश्यकता के अनुरूप क्षेत्र में सड़कों का निर्माण किया जाएगा। साथ ही न्यू फोर्ट एक्सटेशन में भी अन्य समस्याओं का निराकरण में शीघ्र किया जाएगा। अवधपुरी के वार्ड 60 में रीगल सिविक सेंटर से पत्रकार कॉलोनी तक लागत 37 लाख रुपए लागत के सड़क मरम्मत कार्य के विकास कार्य का भूमि-पूजन किया । राज्यमंत्री श्रीमती गौर अवधपुरी के वार्ड 60 में शिवशक्ति धाम मंदिर से जवाहर नगर तक सीसी रोड के निर्माण कार्य का भूमि-पूजन किया, जिसकी लागत 20 लाख रुपए है। इस दौरान पार्षद वी शक्तिराव, मधु सबनानी, शिवलाल मकोरिया, संजय सबनानी, गणेश राव, आनंद पाठक और क्षेत्र के रहवासी एवं सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

केले के रेशों से बुना सपनों का ताना-बाना



भोपाल/नवप्रदेश। मध्यप्रदेश का बुरहानपुर केले की खेती के लिए प्रसिद्ध है, अब अपने नवाचारों के लिए भी जाना जा रहा है। यहां की महिलाओं ने अपने हुनर से न केवल अपने जीवन को संवारा, बल्कि जिले का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। इन महिलाओं में से एक हैं एकड़ियारा गांव की अनुसुइया चौहान, जिन्होंने केले के तने के रेशे से टोपी बनाकर लंदन तक अपनी पहचान बनाई है। बुरहानपुर में आयोजित बनाना फेस्टिवल ने अनुसुइया दीदी को नई ऊर्जा और प्रेरणा दी।

आजीविका मिशन ने दी नई दिशा

अनुसुइया दीदी का जीवन बदलने की कहानी आजीविका मिशन से शुरू होती है। लव-कृश स्व- सहायता समूह से जुड़ने के बाद उन्होंने केले की खेती के साथ-साथ केले के तने का भी उपयोग करना शुरू किया। मिशन के सहयोग से उन्होंने रेशा निकालने की मशीन खरीदी और तने से रेशा निकालकर टोपी बनाने का काम शुरू किया।

केले के तने से रेशा निकालने, उसे सुखाने और बुनाई करने के बाद विभिन्न आकार और डिजाइन की टोपियाँ तैयार की जाती हैं। इन टोपियों की कीमत 1100 से 1200 रुपये तक होती है। अनुसुइया दीदी अपने परिवार के साथ मिलकर यह कार्य करती हैं। इस काम से न केवल उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है, बल्कि उन्होंने अन्य महिलाओं को भी प्रेरित किया है।

लंदन में बनाई पहचान

अनुसुइया दीदी द्वारा बनाई गई टोपियाँ लंदन तक पहुँची हैं। लालबाग क्षेत्र के परिवार के सदस्यों ने यह टोपियाँ खरीदीं और विदेश तक पहुँचाया। यह कहानी इस बात का प्रमाण है कि यदि सही दिशा और प्रोत्साहन मिले, तो स्थानीय उत्पाद अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी छाप छोड़ सकते हैं।

सरकार के प्रयास और महिलाओं का आत्मनिर्भर सफर

बुरहानपुर जिले में सरकार की मंशा के अनुसार, स्व सहायता समूह की महिलाओं को «लखपति दीदी» बनाने का प्रयास जारी है। अनुसुइया दीदी इस सपने को साकार करने वाली मिसाल बन चुकी हैं। उनका कहना है, «जब हुनर को सही मंच मिलता है, तो सपने भी साकार होते हैं।» आज वे महिलाओं के लिए प्रेरणा स्रोत बन गई हैं। उनका सफर इस बात का उदाहरण है कि कैसे नवाचार और मेहनत से आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ाए जा सकते हैं।

मंत्री टेटवाल एवं मंत्री काश्यप की उपस्थिति में हुए एमओयू साइन

जीएसपी में आईआईटी दिल्ली एवं आईआईटी रोपड़ के सहयोग से चार एडवांस्ड ट्रेड होंगे प्रारंभ

भोपाल/नवप्रदेश। कौशल विकास और रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम टेटवाल और एमएसएमई मंत्री श्री चैतन्य काश्यप की उपस्थिति में संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क (जीएसपी) में चार एडवांस्ड ट्रेड प्रारंभ करने के लिये जीएसपी एवं आईआईटी दिल्ली और आईआईटी रोपड़ के मध्य एमओयू हुए। इस पहल के तहत साइबर एण्ड नेटवर्क सिक्यूरिटी, एनीमेशन-मोशन ग्राफिक्स, गेमिंग टेक्नोलॉजी और एआर एण्ड वीआर जैसे एडवांस्ड ट्रेड शीघ्र ही प्रारंभ किये जायेंगे, जो प्रदेश के युवाओं को वैश्विक स्तर की तकनीकी शिक्षा प्रदान करेंगे। साथ ही राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय साइबर एण्ड नेटवर्क सिक्यूरिटी के क्षेत्र में अपनी विशेषज्ञता प्रदान करेगा।

आईआईटी रोपड़ के साथ समझौते के अंतर्गत ड्योन टेक्नोलॉजी से संबंधित अल्पकालिक पाठ्यक्रम चलाए जाएंगे। इनमें डीजीसीए सर्टिफाइड ड्योन पायलट ट्रेनिंग, जीआईएस फॉर ड्योन डाटा प्रोसेसिंग के लिए जीआईएस, ड्योन्स इन एग्रीकल्चर, ड्योन्स एण्ड



डिजास्टर मैनेजमेंट, एरियल सिनेमेटोग्राफी, पाइथॉन फॉर जीआईएस और ड्योन बिल्डिंग जैसे कोर्स शामिल होंगे।

मंत्री श्री गौतम टेटवाल ने कहा कि यह विभाग का एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसमें युवाओं को वैश्विक स्तर की तकनीकी शिक्षा और कौशल प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बना रहे हैं। ग्लोबल स्किल्स पार्क में छात्रों को न केवल प्रशिक्षित किया जाएगा, बल्कि उन्हें

रोजगार के बेहतरीन अवसर भी मिलेंगे। इस कदम से हमारे प्रदेश के युवाओं का भविष्य और उज्जवल होगा। उन्होंने यह भी बताया कि इस पहल का उद्देश्य भारतीय युवाओं को विश्व के प्रतिस्पर्धात्मक माहौल के लिये तैयार करना है। यह प्रशिक्षण प्राप्त कर युवा उत्कृष्ट संस्थानों में रोजगार प्राप्त कर पायेंगे। साथ ही स्व-रोजगार प्रारंभ कर अन्य युवाओं को भी रोजगार देने वाले बनेंगे। उन्होंने यह भी कहा

कि यह संस्थान उन युवाओं के लिये बहुत बड़ा सुअवसर है, जो बड़े-बड़े प्राय्वेट संस्थानों में लाखों की फीस देकर पढ़ने में असमर्थ हैं। यहाँ गरीब से गरीब तबके का प्रतिभावान युवा अपने सपनों को साकार कर सकता है। इस संस्थान में डेड़ लाख के विरुद्ध केवल 15 हजार रुपये फीस ली जाती है। मंत्री श्री टेटवाल विद्यार्थियों के साथ रूबरू भी हुए। उन्होंने विद्यार्थियों के साथ काफी समय बिताया एवं उनके प्रशिक्षण के संबंध में अनुभव ज्ञाने।

मंत्री श्री चैतन्य काश्यप ने कहा कि यह एक नई शुरुआत है, जिसमें प्रदेश के युवाओं को एकजुट कर हम उन्हें बेहतर कौशल और प्रशिक्षण देने जा रहे हैं। इन पाठ्यक्रमों के माध्यम से हम उन्हें तकनीकी विशेषज्ञ बनाने के साथ-साथ उनके रोजगार के अवसरों को भी बढ़ा रहे हैं। हमारे लिए यह जरूरी है कि हम हर युवा को कौशल के साथ एक बेहतर भविष्य की दिशा प्रदान करें। ग्लोबल स्किल्स पार्क में इन पाठ्यक्रमों के संचालन के लिए आईआईटी दिल्ली और राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय, गांधीनगर के साथ अनुबंध पर

हस्ताक्षर किए गए हैं।

मंत्री द्वय ने इस विशेष अवसर पर सिंगापुर प्रशिक्षण पर जा रही फैकल्टी टीम के वाहन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। यह टीम सिंगापुर के प्रतिष्ठित संस्थान आईटीईईएस में जाकर प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। सिंगापुर से प्रशिक्षण प्राप्त कर फैकल्टी मेंबर प्रदेश के युवाओं को अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धात्मक माहौल के अनुसार विद्यार्थियों को प्रशिक्षित कर सकेंगे। साथ ही युवा संगम वाहन को भी हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। यह वाहन विभिन्न जिलों में पहुँचकर युवाओं को प्रदेश के आईटीआई एवं ग्लोबल स्किल पार्क में चल रहे विभिन्न ट्रेड की जानकारी देगा।

अपर सचिव टीडीईएसडीई परियोजना निदेशक, एमपीएसडीपीसीओ श्री गिरिश शर्मा, जीएसपी के डायरेक्टर एवं प्रशिक्षक आईआईटी रोपड़ के डायरेक्टर प्रो. राजीव आहूजा, एसोसिएट डीन डॉ. अथर्व पौडूक तथा आईआईटी दिल्ली के प्रो. गौरव शर्मा, सीईओ श्री आशुतोष दत्त शर्मा एवं एजुकेशन और ट्रेनिंग हेड श्री पीयूष प्रसाद उपस्थित रहे।

‘ ‘मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना’ ’ में मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी में 1300 से अधिक युवाओं को मिलेगा प्रशिक्षण का लाभ

ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 16 दिसम्बर

भोपाल/नवप्रदेश। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी राज्य शासन का महत्वाकांक्षी योजना

«मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना» के तहत पंजीयन कराकर मध्यप्रदेश के 1 हजार 305 युवाओं को ऑन द जॉब ट्रेनिंग दी जायेगी। इसके लिए कंपनी द्वारा «मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना» में लगभग एक हजार 305 युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से विभिन्न विषयों के इच्छुक युवाओं से 16 दिसम्बर 2024 तक ऑनलाइन आवेदन मांगे गए हैं। कंपनी ने बताया है कि ‘‘मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना’’ में आवेदन करने के लिए इच्छुक अस्थायी प्रशिक्षण से संबंधित अर्हताओं, रिक्त स्थानों के विवरण तथा अन्य

सीनियर छात्रावास, 23 संयुक्त छात्रावास, 3 सांस्कृतिक भवन, संग्रहालय एवं कम्युनिटी सेंटर, 206 सीनियर छात्रावास, 12 महाविद्यालयीन छात्रावास, पीएम मन योजना के अंतर्गत जनस बहुउद्देशीय केन्द्र, एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में विभिन्न श्रेणी के 16 निर्माण कार्य, इन्हीं विद्यालयों में सीबीएसई मापदंड के अनुसार 12 उन्नयन संबंधी निर्माण कार्य एवं 8 उन्नयन संबंधी अतिरिक्त निर्माण कार्य, 30 एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में ऑडिटोरियम भवन का निर्माण कार्य एवं वर्तमान वित्त वर्ष में विभिन्न प्रकार के 163 नवीन कार्यों सहित कुल 1205 निर्माण कार्य मंजूर किये गये। इस कार्यों के लिये 86

करो? 60 लाख 46 हजार रूपये निर्माण राशि भी मंजूर की गई। मंजूर सभी निर्माण कार्यों पर काम जारी है और अब तक इन निर्माण कार्यों पर 39 करोड़ 14 लाख 78 हजार रूपये व्यय किये जा चुके हैं। इन सभी निर्माण कार्यों के लिये निर्माण एजेंसी भी नियुक्त हैं। लोक निर्माण विभाग (पीआईयू), म.प्र. भवन विकास निगम, म.प्र. पुलिस हाऊसिंग एवं अधोसंरचना विकास निगम एवं ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग के माध्यम से यह सभी निर्माण कार्य पूरे करये जा रहे हैं। कुछ कार्य विभागीय टेक्निकल विंग द्वारा कराये जा रहे हैं।

बताया गया कि नवम्बर 2024 माह के अन्त तक जनजातीय कार्य विभाग के लिये शासन द्वारा कुल

‘ ‘मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना’ ’ में मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी में 1300 से अधिक

युवाओं को मिलेगा प्रशिक्षण का लाभ

ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 16 दिसम्बर

भोपाल/नवप्रदेश। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी राज्य शासन का महत्वाकांक्षी योजना «मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना» के तहत पंजीयन कराकर मध्यप्रदेश के 1 हजार 305 युवाओं को ऑन द जॉब ट्रेनिंग दी जायेगी। इसके लिए कंपनी द्वारा «मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना» में लगभग एक हजार 305 युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से विभिन्न विषयों के इच्छुक युवाओं से 16 दिसम्बर 2024 तक ऑनलाइन आवेदन मांगे गए हैं। कंपनी ने बताया है कि ‘‘मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना’’ में आवेदन करने के लिए इच्छुक अस्थायी प्रशिक्षण से संबंधित अर्हताओं, रिक्त स्थानों के विवरण तथा अन्य

आवश्यक जानकारी कंपनी की वेबसाइट portal.mpcz.in पर देख सकते हैं। मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना में मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा आईटीआई, डिप्लोमा, ग्रेजुएशन पास बेरोजगार युवाओं को इलेक्ट्रिशियन, कंप्यूटर ऑपरेटर, लाइनमैन, स्ट्रेटोग्राफर (हिंदी/अंग्रेजी), इंजीनियरिंग (फिफिवेल / इलेक्ट्रिकल),एजीव्यूटिव (एचआर/अकाउंट) आदि पदों पर 01 हजार 305 युवाओं को प्रशिक्षण दिया जायेगा। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक श्री क्षितिज सिंघल ने कहा है कि मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना के तहत व्यापक स्तर पर औपचारिक शिक्षा प्राप्त युवाओं को कंपनी में छत्र प्रशिक्षणार्थी के रूप में ऑन द जॉब ट्रेनिंग की सुविधा मिलेगी।

सिंघार बोले- क्या पापा बांग्लादेशी हिंदुओं को नहीं बचा सकते: यूक्रेन युद्ध तो रुकवा दिया था

प्लेन तैयार करें, कांबोस भी कूच करने को तैयार

भोपाल/नवप्रदेश। बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के विरोध में हो रहे प्रदर्शनों पर एमपी विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंधार ने बीजेपी, आरएसएस पर हमला बोला है। भोपाल में नेता प्रतिपक्ष ने अपने आवास पर मीडिया से चर्चा में कहा, हिंदुस्तान में प्रदर्शन करने से क्या होगा? क्या बांग्लादेश हमारे देश से बड़ी महाशक्ति हो गया? मोदी जी हैं, तो क्यों नहीं निर्णय लेना चाहते? नेता प्रतिपक्ष ने आगे कहा, मैं यहां के हिंदुओं से कहना चाहता हूं कि प्रधानमंत्री अगर चाहें, तो वहां के हिंदुओं को बचा सकते हैं। जब आप यूक्रेन और रशिया की बात कर रहे थे, उस समय के वायरल वीडियो सभी ने देखे, जब कहा गया कि पापा ने युद्ध रुकवा दिया, तो पापा क्या बांग्लादेश के हिंदुओं को नहीं बचा सकते?



नेता प्रतिपक्ष ने कहा, प्रदर्शन देश में क्यों? बांग्लादेश की लड़ाई है। इंदिरा गांधी ने पाकिस्तान से हटकर बांग्लादेश बनाया था। इसमें भारत की भूमिका थी, एक कूटनीति थी, जो आज हमें समझ आती है। लेकिन, आरएसएस शिशु मंदिर में आज भी अखंड भारत का नक्शा दिखाता है, तो क्या अखंड भारत की आरएसएस को चिंता नहीं है। बांग्लादेश को जब अपना हिस्सा मानते हो और जब बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर ऐसे आक्रमण हो रहे हैं, तो हिंदुओं की बात करने वाली भारतीय जनता पार्टी, आरएसएस के लोग और मोदी क्यों चुप हैं? क्या कारण है क्या कोई साथ नहीं दे रहा है?

सिंधार के बयान पर बीजेपी के प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल ने कहा, «यह वही कांग्रेस है, जब इस देश की सेना पाकिस्तान पर सर्जिकल स्ट्राइक करती है, तो इनके पेट में दर्द होता है। यह सेना के शौर्य पर सवाल उठाते हैं। सर्जिकल स्ट्राइक का सबूत मांगते हैं। यह वही कांग्रेस है, जिसके राज में चाइना ने हमारी हजारों हेक्टेयर जमीन हड़प ली। कांग्रेस के नेता तत्कालीन प्रधानमंत्रियों के रूप में हाथ पर हाथ धरे बैठे रहे।

यह वही कांग्रेस है, जिसने चाइना की कम्युनिस्ट पार्टी से एमओयू किया है। इनकी तो गलबड़यां सदैव देश विरोधियों के साथ रहीं। इन्होंने देश के हितों को ताक पर रखकर समझौते किए। अपने राजनैतिक और आर्थिक लाभ प्राप्त किए। आज सिर्फ देश और प्रदेश को बदनाम करने के लिए इस तरह की हलकी बयानबाजी करते हैं, जो निंदनीय है।

पाकिस्तान पर सर्जिकल स्ट्राइक होती है तो कांग्रेस के पेट में दर्द होता है

जिले को समृद्ध और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में फूड पार्क महत्वपूर्ण कदम- मंत्री पटेल

भिण्ड जिले के ग्राम नुन्हाटा में बनेगा फूड पार्क

भोपाल/नवप्रदेश। पंचायत एवं ग्रामीण विकास, श्रम एवं भिण्ड जिले के प्रभारी मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल के मुख्य आतिथ्य में भिण्ड में पहली बार इन्वेस्टर्स मीट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम जिला पंचायत कार्यालय के सभागृह में आयोजित किया गया। इस अवसर पर नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री राकेश शुक्ला सहित विधायक, जनप्रतिनिधि, कलेक्टर, इन्वेस्टर्स, विभिन्न बैंकों के अधिकारी उपस्थित रहे।

मंत्री श्री पटेल ने कहा कि फूड प्रोसेसिंग क्षेत्र में निवेश की अपार संभावनाएं हैं। इससे न केवल किसानों की आय बढ़ेगी, बल्कि अपार संभावनाएं भी खुलेंगी। इस क्षेत्र में निवेश जिले की कृषि

उत्पादकता को बढ़ाएगा। किसानों की आय में वृद्धि होगी और मूल्य संवर्धन से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त होगी। ऐसे प्रयास जिले को आर्थिक रूप से समृद्ध और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम साबित होगा। निवेशकों की हर संभव मदद की जाएगी है। उन्होंने निवेशकों को आश्वासन दिया कि सरकार राज्य में विभिन्न उद्योगों में निवेश बढ़ाने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है, मध्यप्रदेश को प्रगति की नई ऊंचाइयों तक ले जाने का हर्ससंभव प्रयास किया जा रहा है।

नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री राकेश शुक्ला ने कहा कि आज भिण्ड के ब्रांड को दुनिया में



पहुँचाने की जरूरत है। जनप्रतिनिधियों और जिला प्रशासन के लगातार प्रयासों से एमएसएमई के औद्योगिक विकास एवं रोजगार

लगभग 300 हेक्टेयर भूमि पर फूड पार्क प्रस्तावित है। इन्वेस्टर्स मीट कार्यक्रम में बताया गया कि जिले के औद्योगिक विकास एवं रोजगार

को सृजित करने के उद्देश्य से यह फूड पार्क विकसित किया जा रहा है, जिसका लाभ जिले के किसानों को मिलेगा एवं उन्हें प्रशिक्षण के माध्यम से कृषिकृति खेती, सब्जियों की इंटरक्राफिंग, फलोद्यान विकास के लिये प्रोत्साहित किया जाएगा। कृषि उत्पाद आदि की बिक्री एवं अच्छे दाम दिलवाने की व्यवस्था फूड पार्क में उद्योग स्थापित करने वाले उद्यमियों के साथ लिंक कर की जाएगी, जिससे कृषक क्राफ डायवर्सिफिकेशन, वेजीटेबल इंटरक्राफिंग के प्रति भी आकर्षित होकर अपनी आमदनी को बढ़ा सकें।

फूड पार्क कन्वर्जेंस मॉडल पर आधारित रहेगा, जिसके तहत फूड प्रोसेसिंग से संबंधित विभिन्न प्रकार के उद्योग स्थापित किए जाएंगे, जिससे लगभग 5 हजार से ज्यादा लोगों को रोजगार मिलेगा। परियोजना के बेहतर क्रियान्वयन के लिए नाबाई से सब्सिडी, अनुदान आदि के प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे बेहतर उपकरण, इक्विपेशन सेंटर, कामन फैसिलिटेशन सेंटर, खाद्य उत्पादों की सैपलिंग, टैस्टिंग, पैकेजिंग आदि की बेहतर सुविधा फूड पार्क में ही उपलब्ध हो सके। समिट में एमएसएमई, एपीडा, डीजीएफटी आदि के विशेषज्ञ इन्वेस्टर्स को विभिन्न फूड प्रोसेसिंग से एवं इंडस्ट्री से संबंधित विभिन्न लाभकारी योजनाओं के संबंध में जानकारी साझा की गई।